“सुख पाने के लिए दो चीजें कम करने की जरूरत है, पहला अपेक्षा और दूसरी आवश्यकता। ये दोनों कम होते ही जीवन सुखी हो जाता है।”

दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 197/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 15 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

17 साल बाद मुनाफे में आई बीएसएनएल तीसरी तिमाही में कंपनी को 262 करोड़ का प्रॉफिट

सरकारी टेलीकॉम कंपनी BSNL को वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ है। 17 साल में यह पहला मौका है जब कंपनी मुनाफे में आई है। आखिरी बार 2007 में BSNL किसी तिमाही में प्रॉफिटेबल रही थी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार (14 फरवरी) को इसकी जानकारी दी।

सांध्यप्रकाश विशेष

विदेश मंत्री ने पश्चिमी देशों के राजदूतों की भारत में गतिविधियों पर सवाल उठाए

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में भारत की वैश्विक नीति और अपवादों के प्रति दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए पश्चिमी देशों के राजदूतों की भारत में गतिविधियों पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजदूत भारत में घरेलू मामलों में गहराई से हस्तक्षेप करते हैं, लेकिन अगर भारत के राजदूत ऐसा करें तो इसे वैश्विक स्तर पर बड़ा मुद्दा बनाया जाता है। डॉ. जयशंकर ने अपने बयान में इस विषमता पर जोर देते हुए कहा कि भारत की विदेश नीति और रणनीति में ऐसे अपवादों को संबोधित करने का प्रयास किया जाता है, ताकि वैश्विक स्थिति में संतुलन बना रहे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत कभी भी किसी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता, जबकि कई बार पश्चिमी देश भारत के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं।

इस बयान के बाद विदेश नीति विशेषज्ञों में चर्चा का विषय बना हुआ है, और यह देखना होगा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस विषय पर क्या प्रतिक्रियाएं आती हैं।

अमेरिकी सेना ने लगाए ट्रांसजेंडरों पर प्रतिबंध, ट्रंप के आदेश के बाद जेंडर-समर्थक देखभाल भी रोकी

अमेरिकी सेना ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षरित आदेश के बाद ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके साथ ही, सेना ने ट्रांसजेंडर सैनिकों के लिए जेंडर-समर्थक चिकित्सा सेवाओं को भी रोक दिया है। यह कदम ट्रंप की वोक कल्चर (जागरूकता संस्कृति) के खिलाफ अभियान का हिस्सा है।

ट्रंप के आदेश का आधार- 27 जनवरी को ट्रंप ने एक आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया कि जेंडर पहचान जो व्यक्ति के जैविक लिंग से असंगत होती है, वह सैन्य सेवा के कठोर मानकों को पूरा नहीं कर सकती। इस आदेश के तहत पेंटागन को 30 दिन के भीतर ट्रांसजेंडर सैनिकों के लिए नीति तैयार करने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकी सेना ने घोषणा की, अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को सेना में शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और जेंडर परिवर्तन से संबंधित किसी भी प्रक्रिया को नहीं करेगी या सुविधा प्रदान नहीं करेगी।

जेंडर डिस्फोरिया पर प्रतिबंध- सेना ने जेंडर डिस्फोरिया (जैविक लिंग और जेंडर पहचान के बीच असंगति के कारण होने वाला तनाव) वाले व्यक्तियों की भर्ती पर तत्काल रोक लगा दी है। इसके साथ ही, जेंडर-समर्थक चिकित्सा प्रक्रियाओं को भी निलंबित कर दिया गया है। सेना ने कहा, जेंडर डिस्फोरिया वाले व्यक्ति भी हमारे देश की सेवा करने के लिए स्वेच्छा से आए हैं और उन्हें गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाएगा।

सैन्य संरचना और ट्रांसजेंडर सैनिक- अमेरिकी सेना में लगभग 1.3 मिलियन सक्रिय सैनिक हैं। ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि लगभग 15,000 ट्रांसजेंडर सैनिक सेवा कर रहे हैं, जबकि अधिकारी इस संख्या को कुछ हजार बता रहे हैं। इस फैसले के बाद, ट्रंप ने दो और महत्वपूर्ण आदेश जारी किए- एक जिसमें कहा गया कि सरकार केवल दो लिंग - पुरुष और महिला को मान्यता देगी, और दूसरा जिसमें ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को महिलाओं की खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब यह देखना होगा कि यह फैसला अमेरिकी समाज और सेना पर क्या असर डालेगा।

ट्रंप का वोक कल्चर अभियान

यह फैसला ट्रंप के वोक कल्चर के खिलाफ अभियान का हिस्सा है, जो उनके चुनावी वादों में से एक है। वोक शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर सामाजिक और नस्लीय न्याय के पक्ष में होने वालों के लिए किया जाता है, लेकिन रूढ़िवादी लोग इसे प्रगतिशील नीतियों की आलोचना करने के लिए उपयोग करते हैं।

पृष्ठभूमि

ट्रंप के पहले कार्यकाल (2017-2021) के दौरान भी उन्होंने ट्रांसजेंडर सैनिकों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी, लेकिन पूरी तरह से लागू नहीं किया। उनके कार्यकाल में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की भर्ती पर रोक लगी थी, लेकिन पहले से सेवा कर रहे सैनिकों को जारी रहने की अनुमति थी। जब जो बिडेन 2021 में राष्ट्रपति बने, तो उन्होंने ट्रंप के फैसले को उलट दिया और ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना में शामिल होने की अनुमति दे दी।

ज्ञानेश कुमार होंगे नए मुख्य चुनाव आयुक्त, 18 फरवरी को रिटायर होंगे मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार

नई दिल्ली। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार अगले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बन सकते हैं। इसके लिए 17 फरवरी को अहम बैठक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल और विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस बैठक में मौजूद रहेंगे। चयन समिति मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए पांच उम्मीदवारों के नाम भेजेगी। सूत्रों के अनुसार, कमिटी ने 480 से ज्यादा उम्मीदवारों में से पांच नामों का चयन किया है।

ज्ञानेश कुमार का नाम सबसे आगे- मुख्य चुनाव आयुक्त के नाम की रेस में ज्ञानेश कुमार सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि सुखबीर सिंह संधू का नाम भी है। ये दोनों फिलहाल चुनाव आयुक्त के रूप में काम कर रहे हैं। दोनों ही 1988 बैच के रिटायर्ड आईएएस हैं। लेकिन, केरल कैडर के ज्ञानेश कुमार सीनियर हैं। सीनियरटी के हिसाब से अगले सीईसी ज्ञानेश कुमार होंगे। लेकिन, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति को यह अधिकार भी है कि वह केंद्रीय कानून मंत्री और दो केंद्रीय सचिव वाली समिति द्वारा प्रस्तावित पांच नामों के अलग भी सीईसी के लिए किसी नाम का चयन कर लें। जिस भी नाम पर राष्ट्रपति की मुहर लगती है, वही देश का अगला सीईसी होगा।

अमेरिकी मीडिया ने भी माना- पीएम मोदी बेहतरीन वार्ताकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना दो दिवसीय अमेरिकी दौरा पूरा कर वापस भारत आ चुके हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच जो समझौते हुए और जिस तरह से दोनों नेताओं के बीच गर्मजोशी देखने को मिली, उसकी अमेरिकी मीडिया में खूब चर्चा है और अमेरिका के प्रमुख मीडिया हाउस सीएनएन ने तो पीएम मोदी की जमकर तारीफ की है और उन्हें बेहतरीन वार्ताकार बताया। सीएनएन ने लिखा है कि दुनिया के अन्य नेताओं को भी पीएम मोदी से सीखना चाहिए कि किस तरह से ट्रंप के साथ बातचीत की जानी चाहिए।

पीएम मोदी की तारीफ में अमेरिकी मीडिया ने क्या कहा

सीएनएन के वरिष्ठ पत्रकार विल रिप्ले ने कहा कि मुझे लगता है कि पहले जापान के प्रधानमंत्री इशिबा के साथ ट्रंप की अच्छी बैठक हुई। अब पीएम मोदी के साथ भी ट्रंप की बैठक काफी सकारात्मक रही। यह मास्टरक्लास है, दुनिया भर के नेताओं के लिए, ताकि वे जान सकें कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ कैसे बातचीत करनी है। गौरतलब है कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात ऐसे वक्त हुई, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ घंटे पहले ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का एलान किया था। सीएनएन के पत्रकार रिप्ले ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने हालात को समझा और अगर वे चूकते तो स्थिति बिगड़ सकती थी। विपरीत परिस्थिति के बावजूद दोनों देशों के नेताओं में अच्छी बातचीत हुई और व्यापार, ऊर्जा, सैन्य आदि मुद्दों पर अहम समझौते हुए।

देश ओलंपिक 2036 की मेज़बानी के लिए पूरी तरह तैयार: शाह

नई दिल्ली। भारत को ओलंपिक 2036 की मेज़बानी मिलने के बारे में अभी भी कुछ संदेह है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस पर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि भारत का खेलों के क्षेत्र में भविष्य बहुत ही उज्जवल है और देश ओलंपिक 2036 की मेज़बानी के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि भारत की ओलंपिक

2036 की मेज़बानी की बोली अभी प्रारंभिक चरण में है। यह बयान उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों के समापन समारोह के दौरान दिया। अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा का भी उल्लेख किया, जिन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा को ध्वज सौंपा। अगले 39वें राष्ट्रीय खेलों की मेज़बानी अब मेघालय करेगा। समापन समारोह में खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद थे।

देवभूमि को खेलभूमि में बदल दिया

अमित शाह ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देवभूमि को एक खेलभूमि में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में न केवल एथलीटों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में खेलों की मेज़बानी भी शानदार रही। उनके प्रयासों से उत्तराखंड ने पिछले राष्ट्रीय खेलों में 21वें स्थान से सुधार कर इस बार 7वें स्थान पर अपनी स्थिति को पहुँचाया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने सभी एथलीटों को शुभकामनाएं दी और राज्य को ‘देवभूमि’ से ‘खेलभूमि’ में बदलने के लिए बधाई दी।

मोहन यादव करेंगे आज रुद्रसागर ब्रिज का होगा लोकार्पण

महाकाल लोक के पार्किंग से सीधे दीदार करेंगे श्रद्धालु

उज्जैन। बाबा महाकाल दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को नई सुविधा मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शनिवार को उज्जैन में रुद्रसागर पर बने ब्रिज का लोकार्पण करेंगे। रुद्रसागर पर 22.5 करोड़ की लागत से यह पुल बनाया गया है। इसकी लंबाई 200 मीटर व चौड़ाई नौ मीटर है। श्रद्धालु कम से कम चलकर महाकाल के दर्शन कर सकें, इसके लिए इसका निर्माण किया गया है। यह पुल श्रद्धालुओं को मुख्य पार्किंग से सीधे श्री महाकाल लोक तक जाने के काम आएगा। पुल से श्रद्धालु लाइट एंड साउंड शो भी देख सकेंगे।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए स्मार्ट सिटी के माध्यम से महाकालेश्वर मंदिर जाने के लिए रूद्र सागर पर इस ब्रिज का निर्माण किया गया है। इससे श्रद्धालुओं का शक्ति पथ से सीधे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचना आसान हो जाएगा। ब्रिज शक्ति पथ को महाकालेश्वर मंदिर से जोड़ेगा। लोकार्पण के बाद श्रद्धालु ब्रिज से आवागमन कर सकेंगे।

नगर निगम आयुक्त आशीष पाठक ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर ब्रिज मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए काफी सुविधाजनक साबित होगा। उन्होंने कहा कि महाकालेश्वर मंदिर में लगातार शिव भक्तों की संख्या बढ़ती जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए अलग-अलग द्वार बनाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ब्रिज का भी निर्माण किया गया है। आयुक्त ने बताया कि ब्रिज को बनाने में बंशी पहाड़ के पत्थर इस्तेमाल किये गये हैं। ब्रिज की विद्युत सज्जा महाकाल लोक की तर्ज पर की गई है। एक ही समय में ब्रिज पर 1000 से ज्यादा श्रद्धालु खड़े रह सकते हैं।

शाम के समय मुख्यमंत्री मोहन यादव बटन दबाकर महाकाल लोक और ब्रिज की लाइटिंग ऑन करेंगे। मुख्यमंत्री के बटन दबाते ही ब्रिज जगमगा जाएगा। रूद्र सागर पर बना ब्रिज शक्ति पथ से सीधे महाकाल मंदिर पहुंचने का नया प्रवेश द्वार होगा।

अमेरिका से सबसे ज्यादा पंजाबी लोगों को लौटाया जा रहा है, राजनीति गरमाई

चण्डीगढ। अमेरिका (यूएस) में अवैध तरीके से गए भारतीयों को पकड़कर डिपोर्ट किया जा रहा है। ऐसे में डिपोर्ट किए गए भारतीयों लेकर एक नहीं बल्कि दो अमेरिकी विमान आ रहे हैं। एक विमान आज यानी शनिवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। वहीं दूसरा विमान रविवार (16 फरवरी) को पहुंचेगा। इन दोनों विमानों में सबसे ज्यादा लोग पंजाब के हैं। उधर, एक दिन पहले यूएस से डिपोर्ट किए गए भारतीयों को लेकर अमृतसर में अमेरिकी विमान की लैंडिंग पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आपत्ति जताई थी।

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव

कांकेर नगर पालिका सीट पर पहली बार भाजपा का कब्जा

रायपुर। छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम आज 15 फरवरी यानी आज घोषित किए जाएंगे। आज साफ हो जायेगा कि प्रदेश की 173 नगरीय निकायों में कौन महापौर, अध्यक्ष और पार्षद निर्वाचित किये गये हैं। मतगणना को लेकर शासन-प्रशासन ने पूरी तैयारी की है। सुबह 9 बजे से सभी मतगणना केंद्रों में मतगणना जारी है।

बीजापुर नगर पालिका पर भाजपा का कब्जा- बीजापुर नगर पालिका परिषद बीजापुर के लिए हुए चुनाव का परिणाम आ गया है। यहां कांग्रेस की बड़ी हार हुई है। नगर पालिका अध्यक्ष सहित 13 पार्षदों के साथ भाजपा का नगर की सत्ता पर कब्जा हो गया है। वही कांग्रेस को महज दो सीटें ही मिल पाई हैं।

बीजापुर नगर पालिका के चुनाव में भाजपा ने परचम लहराया है। यहां से कांग्रेस की बड़ी हार हुई है। अध्यक्ष व 15 वार्डो के पार्षद पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा ने जहां अध्यक्ष व 13 पार्षदों के साथ बड़ी जीत दर्ज की है। वही कांग्रेस के खाते में महज दो ही सीटे आई है। नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद पर भाजपा की गीता सोम पुजारी ने कांग्रेस की सुनीता जितेंद्र हेमला को 1376 वोटों के बड़े अंतर से हराकर चुनाव जीत लिया है। वही पालिका के 15 वार्डों में 13 पर भाजपा पार्षदों ने जीत दर्ज की है।

पन्ना में किसान को मिला 4.24 कैरेट का हीरा

पन्ना। देश दुनिया में पन्ना को बेशकीमती हीरों के लिए जाना जाता है। यहां की धरा किसी को भी पल भर में रंक से राजा बना देती है। पन्ना में ऐसे भी लोग है जिनकी जमीन आलू, टमाटर व अन्य फसलो की जगह वेशकीमती हीरे उगल रही है। यहां आए दिन किसी न किसी को वेशकीमती हीरे मिल रहे हैं जिससे उनकी जिदंगी में खुशिया बिखर रही है। 14 फरवरी 2025 को

पन्ना की रत्नगर्भा धरती ने फिर से दो किसानो को मालामाल कर दिया। जिले के ग्राम गहरा निवासी ठाकुर प्रसाद यादव ने अपने साथी उमेश पाल के साथ मिल कर 01 वर्ष पूर्व ग्राम सरकोहा में स्थित धरमदास पाल की निजी भूमि में हीरा खदान संचालन के लिए हीरा कार्यालय पन्ना से पट्टा जारी करवा कर हीरे की खदान शुरू की थी जिन्हें एक साल की कड़ी मेहनत के बाद 14 फरवरी को 4.24 कैरेट बजन का उज्वल किस्म का नायाब हीरा मिला है जिसकी कीमत लाखों रूपये आंकी जा रही है। किसान ने यह हीरा अपने साथियों के साथ पहुंचकर हीरा कार्यालय में जमा कर दिया है।

तेजी से आकार बदल रहा पृथ्वी का आंतरिक कोर

वैज्ञानिकों ने 121 भूकंपीय तरंगों का किया विश्लेषण

नई दिल्ली। पृथ्वी के आंतरिक कोर की सतह में परिवर्तन हो सकता है। ग्रह के केंद्र के पास संरचनात्मक बदलावों का भी पता चला है। आंतरिक कोर में होने वाले बदलाव लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए चर्चा का विषय रहे हैं। अब तक अधिकतर शोध ग्रह के घूर्णन (रोटेशन) के विश्लेषण पर आधारित रहे हैं। इस नए अध्ययन में यह प्रमाण मिले हैं कि पृथ्वी के आंतरिक कोर की सतह में महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं। इस खोज से यह भी समझने में मदद मिलती है कि आंतरिक कोर की गतिविधियां किस तरह पृथ्वी के दिन की लंबाई को सूक्ष्म रूप से प्रभावित कर सकती हैं, और इसकी धीमी गति के पीछे क्या कारण हो सकते हैं। यह खुलासा साउथर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी (यूएससी) के वैज्ञानिकों ने अपने एक नए अध्ययन में किया है। इसके नतीजे प्रतिष्ठित वैज्ञाक पत्रिका नेचर जियोसाइंस में प्रकाशित हुए हैं।शोधकर्ताओं के अनुसार पृथ्वी की सतह से लगभग 3,000 मील (4,800 किमी) नीचे स्थित आंतरिक कोर, पिघले हुए बाहरी कोर से घिरा हुआ है और गुरुत्वाकर्षण के कारण संतुलित रहता है।

प्रयागराज में भीषण हादसा: बोलेरो और बस में टक्कर, 10 की मौत, 19 घायल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेला स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी भीषण हादसे का शिकार हो गई। बोलेरो और बस से जोरदार टक्कर हुई है। हादसे में 10 लोगों की मौत की सूचना है। वहीं, इस भीषण एक्सिडेंट में 19 श्रद्धालुओं के घायल होने की जानकारी सामने आई है। हादसा प्रयागराज-मिर्जापुर हाईवे पर मेजा इलाके में हुआ है। पुलिस के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से श्रद्धालु संगम में स्नान करने आ रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची। घायलों को तत्काल इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भेजा गया। गंभीर रूप से घायलों को जिला अस्पताल में भेजा गया है। सीएम योगी ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट: मेहमान करेंगे एशियाटिक लॉयन का दीदार

वन विहार में पहली बार बाड़े में छोड़े गए शेर, गुजरात के जूनागढ़ से आया जोड़ा

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए देसी-विदेशी मेहमान भोपाल में एशियाटिक सिंह भी देख सकेंगे। 24-25 फरवरी को होने वाली जीआईएस के चलते सिंह के जोड़े को शनिवार सुबह बाड़े में छोड़ दिया गया। हाउस से बाड़े में जाते ही सिंह का यह जोड़ा मस्ती करने लगा। दोनों को एक ही बाड़े में छोड़ा गया है। यह जोड़ा गुजरात के जूनागढ़ से दिसंबर में लाया गया था। नर सिंह का नाम जूना और मादा सिंह का नाम गिरी है।

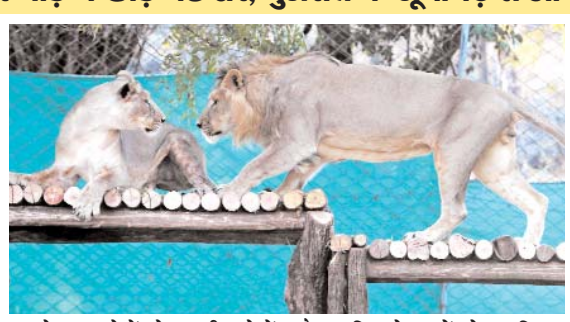

INVEST MADHYA PRADESH GLOBAL INVESTORS SUMMIT 24 & 25 FEBRUARY 2025, BHOPAL

समिट मानव संग्रहालय में हो रही है। वन विहार इससे सटा हुआ है। इसलिए मेहमानों को वन विहार में भी घुमाया जाएगा। पहली बार वे सिंह के जोड़े को देख सकेंगे। बता दें कि, समिट में 20 हजार से अधिक उद्योगपति आ रहे हैं। इनमें अडाणी-अंबानी, बिड़ला, महिंद्रा जैसे शीर्ष उद्योगपति भी शामिल हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समिट का उद्घाटन करेंगे, जबकि समापन मौके पर गृह मंत्री अमित शाह आएंगे।

मेहमानों के साथ भोपाल के लोग भी देख सकेंगे- भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में लोग शनिवार से ही एशियाई शेरों के दीदार कर सकेंगे। इन्हें 21 दिन की क्वारेंटाइन अवधि के लिए हाउस में रखा गया था। क्वारेंटाइन की अवधि तीन गुना हो गई थी।

वन विहार के डायरेक्टर अवधेश मीना ने बताया, दोनों ही सिंह पूर्णतः स्वस्थ्य हैं। इसलिए उन्हें अब बाड़े में छोड़ा गया है। अब टूरिस्ट इनके दीदार कर सकते हैं।

जूनागढ़ से 21 दिसंबर को लाए थे

गुजरात के जूनागढ़ से एशियाई शेरों का जोड़ा 21 दिसंबर को भोपाल लाया गया था। उन्होंने 5 दिन में 1000 का सफर तय किया था। इसके बाद इन्हें 21 दिन तक क्वारेंटाइन रखा गया था। 11 जनवरी को यह अवधि पूरी हो गई। हालांकि, उनकी सेहत को देखते हुए इन्हें ज्यादा समय तक यहां रखा गया। करीब पौने दो महीने के बाद इन्हें अब बाड़े में छोड़ा जाएगा।

3 साल है दोनों शेर की उम्र

बता दें कि, नर और मादा शेर की उम्र करीब 3 साल है। पहले दिन पिंजरा खुलते ही शेरों ने अपने बाड़े में छलांग लगा दी थी। हालांकि, पहले वे थोड़े डरे-सहमे नजर आए थे लेकिन फिर इधर-उधर मंडराने लगे। खाने के लिए उन्हें मीट भी दिया गया। इसके बाद वे माहौल में ढल गए हैं।

गुजरात गई थी वन विहार की टीम

वन विहार का 9 सदस्यीय दल 17 दिसंबर को जूनागढ़ के सक्करबाग चिड़ियाघर में शेर को लेने पहुंचे थे, जो 21 दिसंबर की शाम को भोपाल पहुंच गए थे। इस टीम में वन विहार के इकाई प्रभारी पर्यटन एव सहायक वन्यप्राणी चिकित्सक भी शामिल थे।

एनआईटीटीटीआर में आयोजित ऊर्जा संरक्षण क्षमता महोत्सव कार्यक्रम का किया शुभारंभ

ऊर्जा के सही संरक्षण पर ही दुनिया का विकास निर्भर है: मंत्री कृष्णा गौर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है। ऊर्जा के सही इस्तेमाल और संरक्षण पर ही दुनिया का विकास टिका हुआ है। इसलिए हम सब का परम कर्तव्य है कि ऊर्जा के विभिन्न विकल्पों का सही प्रयोग करें और इसके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। उन्होंने यह बात शुक्रवार को एन. आई. टी.टी.टी. आर के सभागार में आयोजित ऊर्जा संरक्षण क्षमता महोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कहीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि यह बहुत ही अच्छा आयोजन किया गया है और इस तरह का ऊर्जा पर्यावरण जागरूकता अभियान अन्य स्कूल एवं कॉलेजों में भी आयोजित किए जाए। हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा की सहायता से पर्यावरण को स्थाई बनाया जा सकता है।

इंडियन ऑयल और अन्य तेल कंपनियों ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में काफी पहल की है। जैसे कि बीएस ढ्ढङ्क से बीएस ईधन में स्थानांतरण पेट्रोल पम्पो में ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, एक्स्ट्रा ग्रीन डीजल, ग्रीन कॉम्बो लुविकेंटस, कंप्रेस बायोगैस, नूतन सोलर स्टोव आदि। यहां तक वक भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए, कच्चे तेल पर हमारी निर्भरता को कम करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। इस दौरान टी एन सुंदर राजन मुख्य महाप्रबंधक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, बीपी मोहंती, ए एस रेड्डी, चिनमय मंडल, दीपक त्रिवेदी और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स से मप्र के आर्थिक विकास को गति देने की सरकार की योजना

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश तेजी से आर्थिक और औद्योगिक विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। इसी क्रम में, राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी 2025 लॉन्च की है, जिसका उद्देश्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों को राज्य में जीसीसीएस स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि मध्य प्रदेश को वैश्विक औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए नवाचार और निवेश दोनों आवश्यक हैं। उनकी सरकार तकनीकी उन्नति, रोजगार सृजन और विदेशी निवेश को बढ़ावा देने के लिए इस नीति को लेकर आई है।

नीति के प्रमुख लक्ष्य: इस नीति के तहत राज्य सरकार ने महत्वाकांक्षी लक्ष्य सुनिश्चित किया है- 50 से अधिक जीसीसीएस की स्थापना और 37,000 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना। मध्य प्रदेश को आईटी, एडवांस्ड एनालिटिक्स, अनुसंधान एवं विकास और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के लिए एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाना। ज़ विदेशी निवेश आकर्षित कर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना। ज़ ऑटोमोटिव, फार्मास्युटिकल्स, लॉजिस्टिक्स, टेक्सटाइल और एयरोस्पेस जैसे उद्योगों के लिए मध्य प्रदेश को जीसीसी हब बनाना।

उद्योगों को कई लाभ: इस नीति के तहत, कंपनियों को कई प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जैसे- वित्तीय सहायता और कर लाभ। आरएंडडी के लिए सहयोग और आधुनिक तकनीकी विकास को प्रोत्साहन। कम परिचालन लागत, जिससे व्यवसाय करना अधिक किफायती होगा।

नीति के क्रियान्वयन के लिए विशेष इकाई: सरकार ने मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड को इस नीति का नोडल एजेंसी नियुक्त किया है। इसके अलावा, पॉलिसी इम्प्लीमेंटेशन यूनिट का गठन किया जाएगा, जो प्रोजेक्ट अप्रूवल और निवेशकों की सहायता करेगा। इससे इस नीति के शीघ्र लागू होने की उम्मीद है।

भोपाल प्रेस क्लब के कैलेंडर का विमोचन

भोपाल। प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने आज भोपाल प्रेस क्लब के कैलेंडर का विमोचन किया।इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, वरिष्ठ पत्रकार अरुण पटेल, अजय बोकील, सतीश सक्सेना, नासिर हुसैन, संजय सक्सेना प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।भोपाल प्रेस क्लब प्रतिवर्ष कैलेंडर एवं प्रेस डायरेक्टरी का प्रकाशन करता है। इसी तारतम्य में इस बार भी कैलेंडर का प्रकाशन किया गया है।

टंट्या के शौर्य और बलिदान को दिखाता है नाटक टंट्या गाथा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

लोक गुंजन नाट्य संस्था भोपाल एवं प्रवीण चौबे द्वारा निर्देशित नाटक टंट्या गाथा का मंचन शहीद भवन सभागार में शुक्रवार शाम 7:00 बजे मंचित किया गया नाटक का आरंभ गणेश वंदना से होता है उसके बाद नाटक का सूत्रधार यानी नट टंट्या के बलिदान और शौर्य की बातें और उनके बलिदान से जुड़े घटनाक्रमों को दृश्य में परिवर्तित कर एक-एक कर दर्शकों के सामने रखता है।

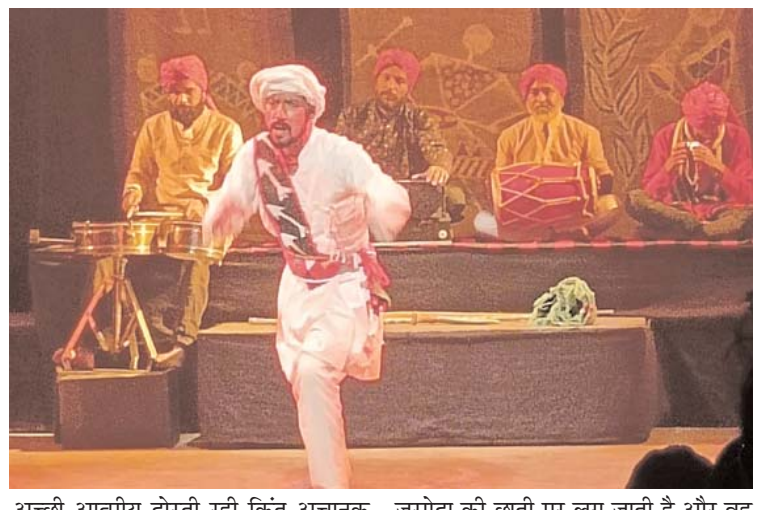

पिता भाऊ पटेल की हत्या गरीब आदिवासी जन सामान्य पर हो रहे हैं अंग्रेजों द्वारा अत्याचारों के खिलाफ हमेशा से टंट्या ने आवाज उठाई और वह चट्टान की तरह हर उनकी गलत नीतियों का विरोध करता रहा ।वही अंग्रेजों के चाटुकार शिवा पटेल की बेटी जसोदा टंट्या के इस व्यवहार से काफी खुश हुई। जसोदा टंट्या को मन ही मन चाहने लगी दोनों में बहुत अच्छी आत्मीय दोस्ती रही किंतु अचानक से अंग्रेज़ सरकार के सीपेसालार टंट्या को गिरफ्तार करने आ जाते हैं जसोदा उनसे मुकाबला करती है और आखिरकार अंग्रेजी सरकार के सिपाहियों की गोली जसोदा की छाती पर लग जाती है और वह मर जाती है यह बात भी टंट्या के मन में घर कर जाती है साथ ही अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों का विरोध के स्वरुप वह विद्रोह खड़ा कर देता है ।कथानक आगे बढ़ता जाता है दोलियां बिजिया के साथ टंट्या भी खंडवा जेल में बंद कर दिया जाता है इसकी खबर पूरे गांव में आग की तरह फैल जाती है। टंट्या जेल तोड़कर भाग जाता है और गणपत से मिलता है। गणपत, बहन सुंदर के घर राखी पर टंट्या के आने की सूचना अंग्रेजी सरकार को दे देता है ।

आखिरकार टंट्या पकड़ा जाता है और 4 दिसंबर 1889 को टंट्या को फांसी की सजा सुना दी जाती है। निमाड़ी आदिवासी शैली और लोक संगीत से सजा नाटक टंट्या गाथा दर्शकों पर अपनी अमित छाप छोड़ता है नाटक का वस्त्र विन्यास निमाड़ी आदिवासी लोक संगीत एवं गायन नाटक में एक सच्ची आत्मा के रूप में दर्शकों के सामने प्रदर्शित होता है।

टंट्या मामा के जीवन चरित्र पर आधारित एकल नाट्य प्रस्तुति संभवत प्रदेश और देश की एकमात्र प्रस्तुति है जो मंच पर दर्शकों को बांधे रखती है

सचिन राव ने पांच चौकों और 8 छक्कों की मदद से 27 गेंद में बनाए शानदार 78 रन

भोपाल। सेंट माइकल्स ने हाल ही में हुए क्रिकेट मैच में सचिन राव के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाया। सचिन ने बल्ले से कमाल दिखाया और 288.89 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट के साथ मात्र 27 गेंदों पर 5 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 78 रन बनाए। बल्लेबाजी में अपनी प्रतिभा के अलावा, सचिन ने गेंद से भी योगदान दिया और 2 ओवर में मात्र 15 रन देकर 1 विकेट लिया। उनके हरफनमौला प्रदर्शन ने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है, जिससे उन्हें इस टूर्नामेंट के शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में से एक के रूप में पहचान मिली है। टूर्नामेंट का नाम- सईद शकील मोहम्मद एमपी सबसे बड़ा अखिल भारतीय टूर्नामेंट है

अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच का समारोह कल

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच द्वारा 16 फरवरी को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं हेमंत स्मृति कविता सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था द्वारा हेमंत स्मृति कविता सम्मान सहित 14 साहित्यकारों को अलंकरण सत्र में विधा पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संस्था की संस्थापक अध्यक्ष संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि होटल पलाश रेजिडेंसी में सुबह 11:30 बजे से आयोजित कार्यक्रम के दो अन्य सत्र कहानी और लघु कथा पाठ भी होंगे । इस मौके पर कैलाश चंद्र पंत भी उपस्थित रहेंगे।

वीईसीवी ने भोपाल में अपनी पहली समर्पित आयशर प्रो एक्स ट्रक फैक्ट्री का किया उद्घाटन

भोपाल। कंपनी के ग्राहक और वॉल्वो ग्रुप, आयशर मोटर्स और वीईसीवी के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में भोपाल स्थित विश्वस्तरीय फैक्ट्री से शुरू हुई आयशर प्रो एक्स सीरीज की मैन्युफैक्चरिंग भारत की अग्रणी लॉजिस्टिक कंपनी को दिया गया आयशर प्रो एक्स स्मॉल ट्रक का पहला बैच गत दिनों हुए भारत ग्लोबल मोबिलिटी एक्सपो 2025 में लॉन्च हुआ आयशर प्रो एक्स अंतिम कड़ी की पहुँच को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है ङ्क आयशर प्रो एक्स देता है अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन क्षमता, सर्वाधिक कार्गो लोडिंग की जगह, और आधुनिक चालक-केंद्रित फीचर भोपाल, 12 फरवरी 2025 वॉल्वो ग्रुप और आयशर मोटर्स के संयुक्त उपक्रम वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड ने अपनी पहली आयशर प्रो एक्स ट्रक की फैक्ट्री का उद्घाटन किया है और भारत की एक प्रमुख लॉजिस्टिक कंपनी को इसकी पहले बैच डिलीवर की है।

विदिशा रोड सुखी सेवनिया पर अमूल्य आवास रेजिडेंशियल मेला, रजिस्ट्री फ्री

भोपाल। राजधानी भोपाल के विदिशा रोड सुखी सेवनिया पर स्थित विशाल तीन दिवसीय आवास मेला अमूल्यम रेसीडेंशियल प्लांट एवं स्वतंत्र बंगलो की भव्य कॉलोनी का रविवार तक लगाया जा रहा है। हेमंत काबसे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राइवेट और सरकारी बैंकों के द्वारा ऋ्रण उपलब्ध करवाया जाएगा साथ ही हमारी कॉलोनी में सभी प्रकार की परमिशन है पूर्ण रूप से वेद एवं स्वीकृत कॉलोनी है साथ ही कवर्ड कैंपस 24 घंटे सिक्योरिटी ,पानी ,सीवेज, विद्युत की संपूर्ण व्यवस्था यहां के नागरिकों के लिए क्लब हाउस बच्चों के लिए अलग से पार्क एवं गेमिंग जोन होगा।

कुनबी समाज का 20 वां अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन और संगठन के रजत जयंती वर्ष पर कार्यक्रम 9 मार्च को

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह और प्रतिवर्षानुसार होने वाले नि:शुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 9 मार्च को किया जा रहा है।

अखिल भारतीय क्षत्रीय लोणारी कुनबी समाज संगठन, म.प्र. के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु राने ने बताया है कि संगठन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह अंतर्गत 9 मार्च प्रात: 10 बजे से चपाती केंद्र के पास, ई-सेक्टर, भेल बरखेड़ा, भोपाल में 20वां नि:शुल्क अंतर्राष्ट्रीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन, महिलाओं का हल्दी कुमकुम कार्यक्रम एवं विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं अन्य केंद्रीय मंत्री, सासंद, केबीनेट मंत्री, राज्यमंत्री, विधायक एवं जनप्रतिनिधियों को विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया हैं। रजत जयंती समारोह एवं सम्मेलन में 18 राज्यों के एवं देश-विदेश में बसे युवक-युवती प्रत्याशी, अभिभावक एवं समाज बंधु भाग लेंगे। राने ने बताया कि युवक-युवती परिचय सम्मेलन के प्रतिष्ठा आयोजन के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कुनबी समाज महिला मोर्चा द्वारा महिलाओं का सम्मान एवं हल्दी कुमकुम कार्यक्रम भी रखा गया है। समारोह स्थल पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में समाज बंधुओं का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा, नेत्र परीक्षण, पैथालाजी जांचे, सिकल सेल टेस्टिंग, बोन डेनसिटी टेस्ट एवं चिकित्सा परामर्श निशुल्क दवा वितरण विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा दिया जाएगा। अन्य कार्यक्रमों में बेटी बचाओं एवं भ्रूण हत्या पर नुक्कड़ नाटक, सायबर जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक सायबर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय की पुस्तिका का विमोचन भी किया जावेगा।

ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण देने भाजपा सरकार की नीयत नहीं: पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संरक्षण भुवनेश पटेल और मप्र महिला कांग्रेस अध्यक्ष विभा पटेल, एडवोकेट वरुण ठाकुर ने कहा कि मध्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतशत आरक्षण देने के मामले में प्रदेश की भाजपा सरकार की नीयत नहीं है। यह सरकार सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है। लेकिन पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमलनाथ के नेतृत्व में बनी सरकार के समय विधानसभा में यह फैसला एक कानून बनाकर हुआ था। लेकिन राज्य सरकार इसे मानने के बदले गुमराह कर रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि वह पिछड़े वर्ग को आरक्षण लाभ नहीं दिलाना चाहती है। जानबूझकर उसने अदालत में कमजोर पक्ष रखा। मध्य प्रदेश का पिछड़ा वर्ग भाजपा सरकार के इस दोहरे चरित्र को भली भांति समझ रहा है। मोर्चा संरक्षक भुवनेश पटेल और श्रीमती विभा पटेल, एडवोकेट ठाकुर ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण को लेकर विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने कानून पर कोई स्टे आर्डर जारी नहीं किया है। उसने सिर्फ इतना है कहा है कि लंबित याचिकाओं को लेकर 21 मार्च 2025 को वह तय करेगी कि मामले पर वे स्वंय या हाईकोर्ट सुनवाई करेगी। तीनों ने बताया कि मध्य प्रदेश हाई कोर्ट इस मामले में सुनवाई कर रहा था. इसलिए राज्य सरकार ने याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर करवाया है। ऐसा उसने एक रणनीति के तहत किया है ताकि पिछड़ा वर्ग को उसका वाजिब हक न मिले। दरअसल मध्य प्रदेश में कमलनाथ सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण 14त्न से बढ़कर 27त्न कर दिया था। इस कारण भाजपा दलगत और सस्ती राजनीति की खातिर मुद्दे से ध्यान हटाने तरह-तरह के उपक्रम कर रही है। इस मामले में भाजपा सरकार की मंशा पहले से ही दुर्भावना पूर्ण रही है। वह जनता के हित में बाद में जबकि पहले खुद के हित में सोचती है लेकिन मोर्चा पिछड़े वर्ग के हित में अपनी वैधानिक लड़ाई जारी रखेगा।

जेईई मेन रिजल्ट 2025: भोपाल शहर में फिजिक्सवाला के 5 छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए

भोपाल। एजुकेशन कंपनी फ़िजिकसवाला (पीडब्लू) ने जेईई मेन 2025 सेशन 1 परीक्षा में अपने नतीजे घोषित किये हैं , जिनमें से एक ने गुजरात से 100 पर्सेंटाइल हासिल किया है 7 साथ ही 612 से अधिक छात्रों ने 99.5 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, 1359 से अधिक छात्रों ने 99 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, 3548+ छात्रों ने 98 पर्सेंटाइल से ऊपर स्कोर किया है, और परिणामों की गिनती अभी भी जारी है। भोपाल में फिजिक्सवाला के 5 छात्रों ने जेईई मेन सेशन 1 2025 के परिणामों में 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। वीर मनावत (99.89), आदित्य यादव (99.81), और अरुन चौहान (99.49) भोपाल में पीडब्लू के शीर्ष 3 छात्रों में शामिल थे।

चार राज्य टॉपर्स अपनी शानदार उपलब्धियों के साथ इस सूची में सबसे आगे हैं 7 गुजरात के शिवेन विकास तोशनीवाल ने 100 पर्सेंटाइल हासिल किए, मिजोरम के इशांत वर्मा ने 99.57 पर्सेंटाइल हासिल किए, अरुणाचल प्रदेश के प्रणय कुमार रॉय ने 99.38 पर्सेंटाइल हासिल किए और जम्मू-कश्मीर के कामरान बिलाल भट ने 99.89 पर्सेंटाइल हासिल किए, जो पीडब्लू के मॉक टेस्ट में उनके प्रदर्शन से काफी मेल खाता है 7 इन छात्रों ने क्कङ्ख के ऑफ़लाइन सेंटरों (विद्यापीठ और पाठशाला) या फिर ऑनलाइन बैचों से पढ़ाई की थी।

अवधेश नेमा की लक्ष्य प्राप्ति के सूत्र पुस्तक का विमोचन

भोपाल। अवधेश कुमार नेमा द्वारा रचित एक और पुस्तक लक्ष्य प्राप्ति के सूत्र का विमोचन म.प्र. शासन के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, एवं उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा द्वारा आर सी पी व्ही नरोन्हा प्रशासन अकादमी के सभागृह में आयोजित कृषक क्रांति कॉन्क्लेव के एक भव्य समारोह में किया गया । इस कार्यक्रम में सर्च एंड रिसर्च डेवलपमेंट सोसाइटी भोपाल तथा डिक्की एवं भूमिशा संस्थाओं के संचालक एवं प्रदेश के लगभग 150 किसान कृषक उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

लेखक के द्वारा इस पुस्तक में व्यक्ति को अपने कार्य क्षेत्र एवं सामाजिक जीवन में वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कुल 108 सूत्र बताये गए हैं । सभी सूत्रों को तुलसीदास द्वारा रचित श्री राम चरित मानस में सीता की खोज-यात्रा में वर्णित विभिन्न प्रसंगों जैसे सुग्रीम-मैत्री, बलि-बध, शबरी एवं जटायु-मिलन, लंका दहन, विभीषण मिलन एवं रावन वध आदि के अध्यात्मिक एवं लौकिक अर्थो के आधार पर विकसित किया गया है। इनके विश्लेषण से व्यक्ति को कब किस प्रकार का व्यव्हार करना चाहिए इसका सन्देश देने का प्रयास किया गया है । पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में पूर्व कृषि संचालक श्री एस के उपाध्याय वाल्मी संस्था के प्रमुख वैज्ञानिक विवेक भट्ट, पूर्व कृषि वैज्ञानिक आर डी सोनी, नेमा समाज मेट्रो के अध्यक्ष आलोक गुप्ता संगठन सचिव सुरेश नेमा , पूर्व संयुक्त संचालक शिव शर्मा एवं अनेक गणमान्यों सहित नेमा के परिवारजन भी उपस्थित रहे सभी ने नेमा को इस विमोचन पर बधाई दी । पुस्तक के लेखक अवधेश कुमार नेमा, आई. आई. टी. खड़गपुर से वर्ष 1984 के भूमि एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी से एम. टेक. की उपाधि प्राप्त है वे कृषि विभाग मध्य प्रदेश में उप संचालक तथा संयुक्त संचालकों के पद पर रहे है अपने कार्यकाल में उन्होंने उत्कृष्ट अधिकारी के रूप में शासन से मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरुस्कार सहित अनेकों पुरस्कार प्राप्त किए है । नेमा की कई पुस्तकें प्रकशित हो चुकी हैं । मार्च 23 में सेवा निवृत होने के बाद भी वे लगातार समाज कल्याण हेतु पुस्तकों का लेखन कर रहे हैं । विगत वर्ष मई 2023 में भी उनकी एक पुस्तक प्रबंधन के मंत्र का विमोचन हुआ था ।

लक्ष्य प्राप्ति के सूत्र नामक पुस्तक में वर्णित सूत्रों का उपयोग समाज के सभी आयु वर्गों तथा सभी सामान्य जनों एवं अधिकारियों व कर्मचारियों के द्वारा समान रुप से उनके जीवन में निर्धारित लक्ष्यों को पाने के लिए किया जा सकता है। इच्छुक पाठक इसे दिए गए स्कैन कर प्राप्त कर सकते हैं ।सभी गणमान्य नागरिकों ने नेमा जो को बधाई और शुभकामनाएं दी ।कार्यक्रम का सफल संचालन डा राजीव जैन द्वारा किया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास के क्षेत्र पर विशेष फोकसः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मप्र में 72 हजार करोड़ की परियोजना जारी, और आने वाली है 88 हजार करोड़ की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि झीलों की नगरी भोपाल में निवेश के महाकुंभ ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शहरी विकास के क्षेत्र पर विशेष फोकस किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी, मजबूत बुनियादी ढांचा, निर्बाध विकास के चलते मध्यप्रदेश भारत के शहरी परिवर्तन में अग्रणी राज्य है, जो रणनीतिक निवेश, सतत विकास और अत्याधुनिक डिजिटल गवर्नेंस का संयोजन कर रहा है। प्रदेश में 72 हजार करोड़ रुपए की चल रही शहरी परियोजनाओं और 88 हजार करोड़ रुपए की आगे आने वाली परियोजनाओं के साथ राज्य तेजी से अपने बुनियादी ढांचे, आवास और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स का विस्तार कर रहा है। सात स्मार्ट सिटी, विश्व स्तरीय कनेक्टिविटी और प्रगतिशील शहरी नीतियों के साथ मध्यप्रदेश निवेशकों और डेवलपर्स के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करने की स्थिति में है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिये प्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं में अधिक से अधिक निवेश को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इन योजनाओं के जरिये रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

स्वच्छ भारत मिशनः स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी रैंकिंग में अग्रणी राज्य के रूप में मध्यप्रदेश भविष्य के लिए तैयार निवेश-अनुकूल शहर बन रहा है। बेहतर कनेक्टिविटी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और डिजिटल रूप से उन्नत प्रदेश के शहरों को अपनी अलग पहचान मिलेगी। प्रदेश में चाहे किफायती आवास हो, ग्रीनफील्ड शहर का विस्तार हो या मल्टीमॉडल परिवहन समाधान, मध्यप्रदेश दूरदर्शी शहरी विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने को तैयार है।

प्रदेश में 7 स्मार्ट सिटीः शहरी विकास में मध्यप्रदेश निवेशकों को आकर्षित कर रहा है, इसकी बड़ी वजह है 40 लाख से अधिक आबादी वाले शहर, 7 स्मार्ट सिटी और 72 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं, साथ ही पाइपलाइन में 88 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं। प्रदेश में 8.32 लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ है, वहीं 50 हजार करोड़ रुपए से 10 लाख नए आवासों की योजना प्रस्तावित है। शहरी विकास के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहे मध्यप्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 80 प्रतिशत पाइप जलापूर्ति का लक्ष्य हासिल किया जा चुका है, जिसे वर्ष 2027 तक 100 प्रतिशत पूरा किया जाएगा। प्रदेश में 6000 किलोमीटर शहरी सड़कें गतिशीलता और बेहतर कनेक्टिविटी को बढ़ाती हैं। प्रदेश में वर्ष 2030 तक 100 प्रतिशत सीवर कवरेज कर लिया जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला मध्यप्रदेश स्वच्छ भारत सर्वेक्षण 2023 में शीर्ष 2 राज्यों में रहा है। इंदौर ने लगातार सातवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर होने का गौरव प्राप्त किया है। भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी और सर्वेक्षण में पांचवें स्थान पर रहा है।

मध्यप्रदेश शहरी विकास क्षेत्र में निवेशकों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। इसका प्रमुख कारण सभी के लिए आवास में 50 हजार करोड़ रुपए, आवश्यक सुविधाओं में 17,230 करोड़ रुपए, रियल एस्टेट के विकास में 32,400 करोड़ रुपए के निवेश पाइपलाइन में है।

आकर्षक एमपी री-डेंसिफिकेशन पॉलिसीः प्रदेश में एमपी री-डेंसिफिकेशन पॉलिसी 2022 और एमपी पुनर्विकास नीति 2022 आधुनिक बुनियादी ढांचे और पुनर्विकास को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गयी है। एमपी टीडीआर नियम, 2018 भूमि उपयोग को अनुकूलित करता है और टिकाऊ शहरी विकास का समर्थन करता है। ईवी पॉलिसी 2025 बुनियादी ढांचा प्रोत्साहन के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहित करता है। ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) पॉलिसी 2019 ट्रांजिट हब के आसपास उच्च घनत्व वाले शहरी क्षेत्रों का विकास करता है।

भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचाः प्रदेश में निर्बाध परिवहन नेटवर्क है। इससे निवेशकों को हर तरह की सुविधा मिलेगी। प्रदेश में 5 लाख किलोमीटर सड़क नेटवर्क, 46 राष्ट्रीय राजमार्ग, 20 प्रमुख रेलवे जंक्शन और 6 क्रियाशील हवाई अड्डे हैं। उन्नत व्यापार और कनेक्टिविटी के लिए इंदौर और जबलपुर में आगामी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क भी प्रस्तावित है। प्रदेश में ग्लोबल इंवेस्टर समिट, रिमोट सेंसिंग और एआई-आधारित गवर्नेंस के साथ एकीकृत नगर पालिका बुनियादी ढांचा उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भोपाल स्टेट हैंगर पर देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड के आगमन पर अगवानी की और अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड की अगवानी की और अंग वस्त्र पहनाकर स्वागत किया

शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जाएः उपमुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य सेवा प्रदाय एवं भर्ती प्रक्रिया की वृहद समीक्षा की

भोपाल। उप मुख्यमंत्री ाजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित किया जाए और प्रसव पूर्व जांच के माध्यम से हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी की समय पर पहचान हो। उन्होंने निर्देश दिए कि सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध रूप से सभी आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता जरूरी है। जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार लाया जा सके।उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तीकरण के लिये सेवा प्रदाय एवं भर्ती प्रक्रिया की वृहद समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य मानकों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आधुनिक चिकित्सा अवसंरचना, अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में अभूतपूर्व प्रयास कर रही है, स्वास्थ्य विभाग में मानव संसाधन की वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर भर्ती चल रही है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी भर्ती प्रक्रियाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए ताकि चिकित्सा सुविधाओं का लाभ तेजी से आमजन तक पहुंचे। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों में भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है। चिकित्सकीय श्रेणी में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 3,689 पदों पर भर्ती की जा रही है। नर्सिंग श्रेणी में 5,762 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। वहीं, पैरामेडिकल एवं तकनीकी स्टाफ के तहत 454 लैब टेक्नीशियन, 114 रेडियोग्राफर, 21 फिजियोथेरेपिस्ट और 8 काउंसलर के पद कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से भरे जा रहे हैं। इसके अलावा, 1,744 सीधी भर्ती के अविज्ञप्त पदों की पूर्ति के लिए भी मांग पत्र भेजा गया है। संचालक (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा) दिनेश श्रीवास्तव, संचालक लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा (नर्सिंग एवं पैरामेडिकल) मनोज सरियाम सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी मोहन सरकार, महाधिवक्ता को आवेदन लगाने के निर्देश दिए

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले को लेकर राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की प्रक्रिया तेज करने का निर्णय लिया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता) को निर्देश दिए हैं कि वह जल्द से जल्द शीर्ष अदालत में सुनवाई के लिए आवेदन लगाएं, ताकि अदालत का फैसला आने के बाद इसे प्रदेश में लागू किया जा सके।

यह फैसला गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में विधि विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), वित्त विभाग और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक के बाद लिया गया। बैठक में ओबीसी आरक्षण से जुड़े कानूनी पहलुओं और अदालत में चल रही याचिकाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। हालांकि इस संबंध में मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिवक्ता कल्याण संघ का आरोप है कि सरकार इसे सुलझाने की बजाए उलझा रही है। सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण पर रोक नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का मामला काफी समय से न्यायालय में लंबित है। उनकी सरकार बनने से पहले से ही अलग-अलग याचिकाओं के माध्यम से इस मुद्दे पर कानूनी लड़ाई जारी है। सीएम ने कहा, सरकार की मंशा स्पष्ट है कि प्रदेश में ओबीसी वर्ग को पूर्ण 27 प्रतिशत आरक्षण मिले। हमारी सरकार का मंतव्य स्पष्ट है कि 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करना है। इसलिए हमने तय किया है कि सुप्रीम कोर्ट को सरकार की मंशा जल्द से जल्द बताई जाए और न्यायालय जो भी फैसला करेगा, उसे लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) को उनके निर्धारित आरक्षण का लाभ मिलता रहे, यह भी सरकार सुनिश्चित करेगी। इस बैठक में चर्चा के दौरान यह बात भी सामने आई कि ओबीसी आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग आदेशों के कारण भ्रम की स्थिति बनी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में सरकार की ओर से एक स्पष्ट राय तय की जाएगी, ताकि कानूनी प्रक्रिया में कोई भ्रम न रहे। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मामला लंबे समय से कानूनी उलझनों में फंसा हुआ है। इस पर हाईकोर्ट ने रोक लगाई थी, जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। अब राज्य सरकार इस आरक्षण को लागू करने के लिए शीर्ष अदालत में जल्द सुनवाई करवाने की तैयारी करने का दावा कर रही है।

क्या है ओबीसी आरक्षण विवादः वर्ष 2019 में मध्यप्रदेश की तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने ओबीसी को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला किया था। इस फैसले को कुछ लोगों ने अदालत में चुनौती दी, जिसके बाद मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। अब सरकार की कोशिश है कि सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई हो और इस मुद्दे का शीघ्र समाधान निकले। इसके लिए एडवोकेट जनरल को निर्देश दिए गए हैं कि वह जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में आवेदन लगाएं। सरकार का मानना है कि यदि अदालत का निर्णय जल्दी आता है, तो प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को लेकर बनी असमंजस की स्थिति समाप्त हो जाएगी।

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग अधिवक्ता कल्याण संघ का आरोप है कि सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मामले को सुलझाने की बजाय और उलझा रही है। संघ का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश में 27 प्रतिशत आरक्षण पर रोक नहीं लगाई गई है, फिर भी सरकार इसे लागू करने में टालमटोल कर रही है। द मूकनायक से बातचीत में अधिवक्ता रामेश्वरम ठाकुर ने कहा कि यदि सरकार की मंशा स्पष्ट है, तो उसे हमारे प्रतिनिधि मंडल और महाधिवक्ता को एक साथ बैठाकर समाधान निकालना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मंत्रालय वल्लभ भवन में मंत्री अनुसूचित जाति कल्याण नागर सिंह चौहान और सांसद अनीता सिंह चौहान ने सौजन्य भेंट की।

वन विहार का प्रवेश द्वार क्रमांक-एक 17 से 20 फरवरी तक बंद रहेगा

भोपाल। भोपाल बोट क्लब में 24वीं अखिल भारतीय वॉटर स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप 2024-25 प्रतियोगिता 17 से 20 फरवरी तक आयोजित की जायेगी। इस दौरान वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के भोपाल बोट क्लब स्थित प्रवेश द्वार क्रमांक-1 में दो पहिया, चार पहिया और 6 पहिया वाहनों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। गेट क्रमांक-1 से पैदल पर्यटकों को ही प्रवेश दिया जायेगा।संचालक वन विहार ने बताया कि उक्त अवधि में पर्यटकों के वन विहार में भ्रमण के लिये सैर-सपाटा पार्क स्थित प्रवेश द्वार क्रमांक-2 खुला रहेगा। इस द्वार से दो पहिया, 4 पहिया और 6 पहिया वाहनों को प्रवेश दिया जायेगा। पर्यटक प्रवेश द्वार क्रमांक-2 से ही वन विहार में आना-जाना कर सकेंगे।

मप्र पॉवर जनरेटिंग कंपनी बेस्ट सपोर्टिंग अवार्ड से सम्मानित

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास विभाग द्वारा सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना व राष्ट्रीय अप्रेंटिस संवर्धन योजना में शामिल 87 शासकीय विभागों व कंपनियों में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को बेस्ट सपोर्टिंग इंडस्ट्री अवार्ड से सम्मानित किया गया। पावर जनरेटिंग कंपनी की ओर से यह अवार्ड अधीक्षण अभियंता प्रशिक्षण डॉ. अशोक तिवारी, उप महाप्रबंधक मानव संसाधन खुशबू शर्मा व कार्मिक अधिकारी वर्तिका गुरबानी ने प्राप्त किया। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, राष्ट्रीय अप्रेंटिस स्कीम, आईटीआई ट्रेड प्रशिक्षुओं व इंजीनियरिंग स्नातक प्रशिक्षण जैसी योजना में पॉवर जनरेटिंग कंपनी में सबसे अधिक प्रशिक्षुओं द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने योजना का उत्कृष्टतापूर्वक क्रियान्वयन किया है। सभी प्रशिक्षुओं व अप्रेंटिस की उपस्थित निर्धारित समय पर पोर्टल में दर्ज की गई। वहीं पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने समस्त प्रशिक्षुओं व अप्रेंटिस को भुगतान की जाने वाली स्टाइपेंड राशि का 25 प्रतिशत पोर्टल में जमा किया। पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा प्रशिक्षुओं की उपस्थिति को जमा करने और स्टाइपेंड राशि जमा करने में एक भी दिन का विलंब नहीं किया गया।

पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा शासन स्तर पर अनेक कौशल विकास योजनाओं का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पॉवर जनरेटिंग कंपनी को प्रदेश स्तर पर पुरस्कार हासिल हो चुके हैं।

उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम बुनियादी साक्षरता मूल्यांकन कल

भोपाल। प्रदेश के समस्त जिलों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा का आयोजन पूरे प्रदेश में 16 फरवरी 2025 को किया जा रहा है। परीक्षा में लगभग 17 लाख से अधिक नवसाक्षर अपनी योग्यता को साबित करेंगे। केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षर व्यक्तियों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान कर साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के लिये 15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के ऐसे असाक्षर को साक्षर करने के लिये उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

मप्र में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विश्व बैंक और पीएचएफआई करेंगे रणनीतिक सहयोग

भोपाल। मध्यप्रदेश में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना से विश्व बैंक और पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफ़आई) के प्रतिनिधियों ने एनएचएम कार्यालय भोपाल में सौजन्य भेंट की और स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और नवाचारों पर विचार-विमर्श किया।बैठक में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन और नवाचार आधारित नीतियों के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। इसके तहत स्वास्थ्य डेटा का विश्लेषण, नीति निर्धारण, स्वास्थ्य अमले की क्षमतावृद्धि और डिजिटल हेल्थ इनिशिएटिव्स पर सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया गया। स्वास्थ्य तंत्र को अधिक प्रभावी, सशक्त और समान बनाने के साथ-साथ प्रदेश के नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विश्व बैंक और पीएचएफ़आई की टीम रणनीतिक सहयोग प्रदान करेंगी। बैठक में विश्व बैंक से डॉ. अमिथ बी. नागराज सीनियर हेल्थ स्पेशलिस्ट और डॉ. जिज्ञासा शर्मा हेल्थ इकोनॉमिस्ट तथा पीएचएफआई से प्रो. हिमांशु नेगांधी (डायरेक्टर, एकेडमिक्स, प्रो. अनुप करन (हेल्थ इकोनॉमिस्ट, प्रो. राजेश नायर (डायरेक्टर, प्रोजेक्ट्स), डॉ. सुहैब हुसैन (हेल्थ इकोनॉमिस्ट) और डॉ. नव्या मिश्रा (साइंटिस्ट) उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने गेटिंग हेल्थ रिफॉर्म राइट फ्रेमवर्क के तहत मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सुधार के लिए एक समग्र और साक्ष्य-आधारित अध्ययन कर सुझाव देने के लिए पूर्व में चर्चा की थी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विशेष रूप से शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रतिनिधि मंडल से कहा था कि मानकों में सुधार के लिए ऐसी रणनीतियां बनाई जानी चाहिए जो शॉर्ट टर्म में त्वरित प्रभाव दें साथ ही दीर्घकालिक समाधान भी प्रदान करें। इसी दिशा में एनएचएम, विश्व बैंक एवं पीएचएफआई रणनीतिक साझेदारी करेंगे।

एआईसीसी में बड़ा फेरबदल, हरीश चौधरी मप्र के नए इंचार्ज होंगे, भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी!

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने अपने संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। मध्य प्रदेश के नए प्रभारी हरीश चौधरी को इंचार्ज बनाकर भंवर जितेंद्र सिंह को हटा दिया गया। हरीश चौधरी राजस्थान के वरिष्ठ नेता और विधायक है। भंवर जितेंद्र सिंह के पास दो राज्यों की जिम्मेदारी थी। मध्य प्रदेश के अलावा वे असम के भी प्रभारी थे। कांग्रेस का यह संगठनात्मक फेरबदल महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पार्टी को विभिन्न राज्यों में मजबूती देने और चुनावी रणनीति को धार देने की कोशिश की जा रही है।

नए फेरबदल में पार्टी ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब का महासचिव नियुक्त किया। इसके अलावा सैयद नसीर हुसैन को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का महासचिव बनाया गया है। कांग्रेस ने रजनी पाटिल को हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़, बीके हरिप्रसाद को हरियाणा, हरीश चौधरी को मध्य प्रदेश और अजय लल्लू को ओडिशा का प्रभारी बनाया है। इसके अलावा गिरीश को तमिलनाडु और पुडुचेरी, के राजू को झारखंड, मीनाक्षी नटराजन को तेलंगाना, सप्तगिरी शंकर उलका को मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड और कृष्ण अल्लावरू को बिहार का प्रभारी नियुक्त किया गया। कांग्रेस की जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि पार्टी इन महासचिवों/प्रभारियों के योगदान की सराहना करती है। अन्य महासचिव और प्रभारी अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों में कार्यरत रहेंगे। ये हैं दीपक बावरिया, मोहन प्रकाश, भरतसिंह सोलंकी, राजीव शुक्ला, अजय कुमार और देवेंद्र यादव।

वरिष्ठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी

भूपेश बघेल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। अब उन्हें कांग्रेस हाईकमान ने पंजाब का महासचिव नियुक्त किया है। ये जिम्मेदारी उन्हें आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए सौंपी गई, ताकि कांग्रेस पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत कर सके। वहीं, सैयद नसीर हुसैन को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का महासचिव नियुक्त किया गया। सैयद नसीर हुसैन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद हैं। नई जिम्मेदारी से पहले वे कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय से जुड़े थे। लेकिन, अब उन्हें इस महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी के लिए नामित किया गया।

अजय कुमार लल्लू कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उन्हें ओडिशा का प्रभारी नियुक्त किया गया। इससे पहले वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और अपनी जमीनी राजनीति के लिए जाने जाते हैं। मीनाक्षी नटराजन कांग्रेस की तेजतर्रार नेता हैं, उन्हें तेलंगाना का एआईसीसी प्रभारी नियुक्त किया गया। वे अपनी सादगी, बेदाग छवि और संगठनात्मक क्षमता के लिए जानी जाती हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद

राकेश दुबे

सर्व विदित है कि पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया है। फ्रांस के तत्वावधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह-अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए।

मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। उन्होंने एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया।

जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है।

यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतः भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्र है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम करने वाले न हो। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं।

भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों। भारतीय युवा भी खुद को इस नई चुनौती के अनुरूप तैयार करें।परियोजनाएं पूरी करने के लिए होगा। अब सरकार को उम्मीद है कि मध्य वर्ग के लिए आयकर में अच्छी-खासी कमी करने से खपत बढ़ेगी और आखिरकार निजी क्षेत्र का निवेश बढ़ेगा।

वैसे सरकार ने करीब 1 लाख करोड़ रुपये की आयकर कटौती का प्रस्ताव रखा है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 0.3 प्रतिशत के बराबर है, लेकिन इसका फायदा 4.7 करोड़ शहरी करदाताओं को ही मिलेगा। अगर मान लें कि इस कटौती के कारण बचे हर 1 रुपये में से 80 पैसे खर्च किए जाते हैं तो भी प्रत्यक्ष सरकारी व्यय के मुकाबले इसका असर कम रहेगा। अगर इसका कुछ हिस्सा ऐसे खाद्य पदार्थों पर खर्च होता है, जिनकी आपूर्ति कम है तो क्या इससे महंगाई भी बढ़ेगी और मौद्रिक नीति ज्यादा जटिल हो जाएगी?

नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी में हुए शोध से पता चला कि कंपनियों द्वारा निवेश मुख्य रूप से क्षमता के इस्तेमाल, प्रतिस्पर्द्धात्मकता और ऋण की उपलब्धता पर निर्भर करता है। पूंजीगत व्यय का ज्यादा असर कंपनियों के अलावा हो रहे निवेश - खास तौर पर आवास तथा रिटेल में हो रहे निवेश - पर पड़ता है। इसलिए अगर कंपनियों का निवेश बढ़ाना ही मकसद है तो पूंजीगत व्यय पर निर्भर रहने के बजाय कर कटौती की मदद से खपत बढ़ाने का तरीका आजमाया जा सकता है क्योंकि इससे क्षमता का अधिक इस्तेमाल होगा।

2023-24 में कंपनियों को रिकॉर्ड मुनाफा हुआ और निफ्टी 500 कंपनियों का जीडीपी-मुनाफा अनुपात बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया, जो 2007-08 के बाद से सबसे अधिक रहा। फिर भी निजी निवेश नहीं बढ़ा है। कंपनियों को यह रिकॉर्ड मुनाफा भी बिक्री बढ़ाकर क्षमता का अधिक इस्तेमाल करने से नहीं हुआ है बल्कि श्रम पर आ रहा खर्च कम करने से हुआ है। कॉर्पोरेट क्षेत्र की नॉमिनल बिक्री केवल 6 प्रतिशत बढ़ी है। विडंबना यह है कि 2019 में कॉर्पोरेट कर घटाने से सरकार को पिछले पांच साल में 7-8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। कंपनियों ने कर कटौती से हुई बचत का बहुत कम हिस्सा निवेश किया। अगर सरकार ने कॉर्पोरेट कर कटौती के बजाय 2019 में मध्य वर्ग के लिए आयकर घटा दिया होता तो अर्थव्यवस्था को ज्यादा फायदा मिला होता। आर्थिक समीक्षा में भी निजी निवेश में कमी के लिए अत्यधिक विनियमन वाली अर्थव्यवस्था को जिम्मेदार ठहराया गया है। उसमें भी भरोसे पर आधारित नियामक प्रणाली की वकालत की गई है यानी जब तक किसी की गलती साबित नहीं होती है तब तक वह निर्दोष ही रहेगा इसका उलटा नहीं। बजट में विनियमन की योजना का मसौदा तैयार करने के लिए एक और समिति बनाने का प्रस्ताव है।

ध्यान रहे कि नियामकीय सफाई तो जरूरी है मगर इसके तत्काल परिणाम नहीं आएंगे। गंभीरता दिखाने के लिए बजट में कुछ ऐसे उपाय घोषित किए जा सकते थे, जिनसे नियमन में फौरन कमी आए। शोध एवं विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी कम रहने के कारण समझने पर जोर दिया जाना स्वागत योग्य कदम है। शोध एवं विकास पर खर्च को जीडीपी के प्रतिशत के रूप में देखें तो भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है मगर निजी क्षेत्र के लिए यही आंकड़ा देखें तो भारत बहुत पीछे है।

शोध एवं विकास पर होने वाला खर्च सार्वजनिक संस्थानों के जरिये होता है, जो आम तौर पर अलग-थलग रहते हैं और विश्वविद्यालयों तथा निजी क्षेत्र के साथ न के बराबर संवाद करते हैं। उस खर्च का ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाए जाने की भी जरूरत है। शोध एवं विकास कोष बनाने की सरकार की कोशिश संवाद बढ़ाने के लिए ही है। मध्य वर्ग को कर में राहत स्वागतयोग्य है और जनता इसे पसंद भी बहुत करेगी।

अब सिनेमा मन ही नहीं बहलाता, सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाने लगा

– हेमंत पाल

फिल्मों के इतिहास के पन्ने पलटे जाएं तो जब से सिनेमा का सफर शुरू हुआ, नए विषयों का हमेशा अभाव देखा गया। शुरुआत में धार्मिक कथाओं पर फ़िल्में बनाकर दर्शकों को जोड़ने की कोशिश हुई। फिर राजा–महाराजाओं की कहानियों, राजमहलों के षड्यंत्रों पर खूब फ़िल्में बनी। बाद में जब आजादी के संघर्ष की हवा चली तो उस पर भी कुछ फ़िल्में बनी! किंतु, आजादी के बाद तो लम्बे समय तक ऐसी फिल्मों का दौर चला जिसमें संघर्ष की गाथाओं को अलग–अलग तरीके से दर्शाया गया। जब ये दौर ख़त्म हुआ तो बाद की फ़िल्में प्रेम, बदला, राजनीति, धर्म, कॉमेडी और पारिवारिक विवादों तक सीमित हो गई। इस दायरे से बाहर भी फ़िल्में बनी, पर उनकी संख्या सीमित थी। 40 के दशक में गंभीर और सामाजिक समस्याओं से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखकर फिल्मों के निर्माण किया गया। 50 के दशक की फिल्मों का दौर आदर्शवादी रहा। जबकि, 60 का समय काफी कुछ अलग था। जो रोमांटिक फिल्मों का ट्रेंड राज कपूर ने शुरू किया था, वह इस दशक में छाया रहा था। लेकिन, 70 का दशक की फिल्मों ने व्यवस्था के प्रति असंतोष और विद्रोह को ज्यादा दर्शाया।

फिल्मों के बारे में आम धारणा है कि ये मनोरंजन के मकसद से देखी जाती हैं। फिल्मकार भी दर्शकों का मनोरंजन करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। इनमें रहस्य-रोमांच होता है, कॉमेडी होती है, प्रेम कहानियां होती है, कुछ फ़िल्में डराती भी हैं और दर्शकों की पसंद वाले हर विषय को छूने की कोशिश होती है। लेकिन, अब दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। नए दौर के दर्शकों को पुराने ढर्रे के कथानक रास नहीं आते। यही वजह है कि अब कई नए विषयों पर फ़िल्में बनने लगी। हाल की फिल्मों में समाज की विकृतियों और मुद्दों पर भी काफी ध्यान दिया जाने लगा। कई सामाजिक मुद्दों को भी अब फिल्मों में उठाया जाने लगा, जो अभी तक संभव नहीं था। अब सामाजिक मुद्दों को छूने के लिए फिल्म को गंभीर बनाने की कोशिश नहीं होती।

शाहरुख़ खान की फिल्म 'जवान' इसका सबसे अच्छा उदाहरण है, जो एक एक्शन फिल्म थी। पर, जिसका मूल विषय किसानों की कर्ज माफी और उनकी आत्महत्या जैसे संवेदनशील मुद्दा है। यह फिल्म किसानों के आत्महत्या, फसलों के उचित दाम और भ्रष्टाचार से जुड़ी सामाजिक घटनाओं पर प्रकाश डालती है। हाल की फिल्मों पर नजर डालें तो लवयापा, द मेहता बॉयज़, देवा और स्वीट ड्रीम्स ऐसी ही फ़िल्में हैं। जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ अभिनीत फिल्म 'वेदा' में जातिवाद के आधार पर भेदभाव का मुद्दा उठाया गया। शरवरी वाघ बॉक्सिंग सीखना चाहती है, पर उसकी इच्छा को गांव प्रधान पूरी नहीं होने देता। उसे छुआछूत का भी सामना करना पड़ता है। आलिया भट्ट की फिल्म 'जिगरा' में घरेलू हिंसा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। इसमें आलिया भट्ट के किरदार के साथ उसका पति अक्सर मारपीट करता रहता है।

फिल्मों के इतिहास के पन्ने पलटे जाएं तो जब से सिनेमा का सफर शुरू हुआ, नए विषयों का हमेशा अभाव देखा गया। शुरुआत में धार्मिक कथाओं पर फ़िल्में बनाकर दर्शकों को जोड़ने की कोशिश हुई। फिर राजा-महाराजाओं की कहानियों, राजमहलों के षड्यंत्रों पर खूब फ़िल्में बनी। बाद में जब आजादी के संघर्ष की हवा चली तो उस पर भी कुछ फ़िल्में बनी ! किंतु, आजादी के बाद तो लम्बे समय तक ऐसी फिल्मों का दौर चला जिसमें संघर्ष की गाथाओं को अलग-अलग तरीके से दर्शाया गया। जब ये दौर ख़त्म हुआ तो बाद की फ़िल्में प्रेम, बदला, राजनीति, धर्म, कॉमेडी और पारिवारिक विवादों तक सीमित हो गई। इस दायरे से बाहर भी फ़िल्में बनी, पर उनकी संख्या सीमित थी। 40 के दशक में गंभीर और सामाजिक समस्याओं से जुड़े मुद्दों को केंद्र में रखकर फिल्मों के निर्माण किया गया। 50 के दशक की फिल्मों का दौर आदर्शवादी रहा। जबकि, 60 का समय काफी कुछ अलग था। जो रोमांटिक फिल्मों का ट्रेंड राज कपूर ने शुरू किया था, वह इस दशक में छाया रहा था। लेकिन, 70 का दशक की फिल्मों ने व्यवस्था के प्रति असंतोष और विद्रोह को ज्यादा दर्शाया।

80 के दशक में फिल्मकारों को यथार्थवाद दिखाने का जुनून चढ़ा, जबकि 90 का समय आर्थिक उदारीकरण दर्शाने वाली फिल्मों का रहा। दरअसल, सिनेमा समाज की स्थिति दर्शाने का सबसे सशक्त माध्यम रहा है। फिल्मों से ही आजादी के आंदोलन की कहानी, राष्ट्रीय एकता का संघर्ष, वैश्विक समाज की सच्चाई और देश के ताजा हालात की कथाओं को फिल्माया गया। इस सिनेमा से ही बदलते भारत की झलक भी मिली है। इस तरह के बदलाव वाले विषय को ढूंढते हुए एक समय ऐसा भी आया, जब कला फिल्मों का दौर चला और अंकुर, मंथन, निशांत जैसे प्रयोग हुए। जमींदार के खूंटे से बंधी दलित राजनीति के प्रपंच को श्याम बेनेगल ने 'निशांत' और 'मंथन' से दिखाया। लेकिन, उन हलकों में प्रतिशोध की ताकत पैदा की प्रकाश झा के नए सिनेमा ने! 'दामुल' यदि उसका बेहतरीन उदाहरण है, तो 'अपहरण' उसी मानसिकता वाले औजारों से अलग तेजी से बदती राजनीति के हिंसक प्रतिरूपों की पहचान बना। बाद में इसे प्रकाश झा ने 'राजनीति' में और पैना किया। लेकिन, दर्शकों को हमेशा कुछ नया चाहिए, इसीलिए फिल्मकारों ने बरेली की बरफी, हिंदी मीडियम, टॉयलेट ¬एक प्रेम कथा, तनु वेड्स मनु ¬ रिर्टन्स, द गाज़ी अटैक, शुभमंगल सावधान, फिल्लौरी, लिपस्टिक अंडर माय बुरका और 'नाम शबाना' जैसे प्रयोग किए।

इस बीच राजनीतिक फ़िल्में भी बनी और दर्शकों ने इसमें रूचि भी दिखाई। 'कलयुग' इस श्रेणी में मिसाल थी, जिसने दर्शकों को आकर्षित किया। फिर 'सत्ता' जैसी फिल्मों ने राजनीति के समीकरण में स्त्री-विमर्श के हस्तक्षेप से नया मोर्चा संभाला। बाद में मणिरत्नम, मृणाल सेन, गुलजार की तरह विशाल भारद्वाज और प्रकाश झा ने ठेठ राजनीतिक फिल्मों में छौंक लगाई। राजनीति और पारिवारिक रिश्तों को जोड़कर गुलजार ने 'आंधी' जैसी सफल फिल्म बनाकर फिर राजनीतिक साजिशों की कॉमिक सिचुएशन पर 'हु तू तू' और विशाल भारद्वाज के साथ मिलकर आतंकवाद के रिश्तों को पनपाती 'माचिस' का निर्माण किया। लेकिन, हिंदी सिनेमा में राजनीति की बिसात पर आज रंग दे बसंती, पार्टी, युवा या ए वेडनेसडे और 'ब्लैक फ्राई डे' जैसी फिल्मों की जरुरत ज्यादा है। 'ट्रेन टू पाकिस्तान' या 'अर्थ 1947' से ज्यादा आज की राजनीति का नया आकलन करने वाली 'परजानिया' जैसी फिल्मों को ज्यादा पसंद किया गया। क्योंकि, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो राजनीतिक सिनेमा के नए विषयों वाले तेवर सामने कैसे आएंगे!

हिंदी दर्शकों के सिर चढ़कर बोलने लगा दक्षिण का जादू

'राजनीति' से पहले राजनीति के नए आयाम 'गुलाल' ने दिखाए। युवा पीढ़ी के प्रतिबिंबों को झलकाती एक से एक बेहतर तस्वीरें रंग दे बसंती, लगे रहो मुन्नाभाई, दिल्ली-6 तक में दिखाई और आजमाई भी गई। राजनीतिक विषयों पर जब भी कोई फिल्म आती है, परदे पर उतरने से पहले ही वह चर्चित हो जाती है। लोगों में उत्सुकता जगा जाती है। लेकिन, प्रकाश झा की फिल्म का नाम 'राजनीति' होते हुए भी इस फिल्म को लेकर कोई कॉन्ट्रोवर्सी नहीं हुई! जबकि, गांधी परिवार को लेकर राजनीति पर बनी फिल्में रिलीज के पहले ही खूब पब्लिसिटी बटोरती हैं। बरसों पहले आई गुलजार की 'आंधी' को भी जमकर कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी। क्योंकि, उसमें सुचित्रा सेन को इंदिरा गांधी से मिलते जुलते किरदार और गेटअप में प्रस्तुत किया गया था। मधुर भंडारकर की फिल्म 'इंदू सरकार' को लेकर भी यही सब हुआ। इसमें नील नितिन मुकेश का लुक संजय गांधी से मिलता जुलता था। पर, जितना विवाद हुआ, उतनी फिल्म चली नहीं! ये नितांत सत्य है कि सौ साल बाद भी भारतीय सिनेमा दायरे अपने से बाहर नहीं आ पाया! कुछ नया करने की उसकी छटपटाहट तो दिखती है, पर कोई कोशिश करना नहीं चाहता! सब प्रेम कहानियाँ, एक्शन या कॉमेडी बनाकर सौ करोड़ के क्लब शामिल होने के सपनों की गिरफ्त से ही बाहर नहीं निकल पा रहे!

सिनेमा को कमर्शियल नजरिए से देखने वाला तबका इसे आसान बनाकर 'फना' जैसी फिल्म बनाता है। दूसरा बौद्धिक खेमा सिनेमा की अवधारणा में अचानक कैद होकर-शेक्सपियर ड्रामे के रूपांतरण का मजा लेता है! उसे 'मकबूल' या 'ओंकारा' के अपराध जगत में भी प्रेम और राजनीति की गठजोड़ के छद्म रूपक की नई लीला रचकर संतुष्टी होती है। जबकि, हिंदी सिनेमा को शेक्सपियर के नाटकों से कहीं ज्यादा हिंदी उपन्यासों के कथानक की दरकार होनी चाहिए। सवाल खड़ा होता है कि क्या उन उपन्यासों में नई पटकथाओं की गुंजाइश नहीं है, जो नया सिनेरियो प्रस्तुत कर सकें। दर्शकों सामने मनोरंजन का नया मसाला पेश करने की कोशिश में कई तरह के प्रयोग हुए और हो भी रहे हैं। फिल्मकारों ने कारोबार जैसे गरिष्ठ विषय को भी फिल्म बनाने के लिए चुना और इसमें सफल भी हुए। जबकि, वास्तव में ऐसे विषयों पर फिल्म बनाना आसान नहीं होता।

इस बीच कुछ ऐसे फिल्में भी बनाई गई जो कारोबार शुरू करने के लिए प्रेरित करती हैं। 2010 में आई 'बैंड बाजा बारात' वैसे तो एक रोमांटिक फिल्म थी। इसमें अनुष्का शर्मा और रणवीर सिंह ने अच्छी एक्टिंग भी की। इस फिल्म में वेडिंग प्लानर के काम में आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया गया था। इस काम में आने वाले उतार-चढ़ाव को बारीकी से मनोरंजक ढंग से फिल्माया। ऐसी ही फिल्म 'गुरु' थी, जो वास्तव में धीरूभाई अंबानी की रियल स्टोरी पर आधारित थी। ये भी एक नया विषय था, जिसमें गुजरात के एक छोटे से गांव से निकले ऐसे नौजवान की कहानी थी, जो अभाव को पछाड़ते हुए एक दिन सबसे अमीर लोगों में शामिल होता है। परिस्थितियों से हार न मानने वाले जुझारू व्यक्ति की ये कहानी प्रेरणा देने वाली थी। इसमें अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन ने मुख्य भूमिका निभाई थी।

पहला दिन-पहला शो' और सीट की जुगाड़ जैसी कई यादों से जुड़े हैं पुराने सिनेमाघर

'रॉकेट सिंह' भी ऐसी ही फिल्म थी, जिसमें एक कॉलेज स्टूडेंट्स को ठोकर खाकर खुद की मालिक बनते दिखाया गया। इसमें रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका थी। इस फिल्म में रणवीर सेल्समैन रहता है, जिसके कामकाज की कद्र नहीं होती। तंग आकर वो अपना खुद का काम शुरू करता है, जो आगे चलकर एक बड़ी कंपनी का रूप ले लेता है। 'कॉरपोरेट' भी ऐसी ही फिल्म थी। ये फिल्म कुछ खास तो नहीं कर पाई, पर फिल्म ने कॉरपोरेट जगत की कई कड़वी सच्चाइयों से रूबरू जरूर करवाया। 'बदमाश कंपनी' भी इसी ट्रेंड की फिल्म थी, जिसमें शाहिद कपूर और अनुष्का शर्मा के बहाने कई बिजनेस आइडिया सामने लाने की कोशिश की गई थी। यह फिल्म मिडिल क्लास के कुछ दोस्तों पर केंद्रित है, जो बड़ा आदमी बनने की कोशिश में रहते है। इसके लिए कई रास्ते तलाशते रहते हैं। फिल्म में कारोबार के कई गलत तरीकों को दिखाया गया, पर फिल्म के विषय में नयापन था। अभी फिल्मकारों की नए विषय खोजने की छटपटाहट ख़त्म नहीं हुई! सौ साल से ये चल रही है और अनवरत चलती भी रहेगी! क्योंकि, हर विषय में कहीं न कहीं मनोरंजन छुपा होता है! लेकिन, सबसे बड़ी बात यह कि अब सिनेमा समाज के मुद्दों को भी अपने कथानक बनाने लगा।

आयकर कानून के सरल होने से विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5 .12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2 .6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग–अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम–से–कम कानूनों एवं सरल–व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रविधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है। नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा।

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1,200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम-से-कम कानूनों एवं सरल-व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में आर्थिक क्रांति का शंखनाद अनेक मोर्चे पर हो रहा है। न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बदली है बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन जटिल होती परिस्थितियों का परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद लगातार बढ़ते गये। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। संभावनाएं हैं एवं सराहनीय भी है कि नये कानून के लागू होने से विवाद भी कम होंगे एवं जनता भी राहत की सांस लेगी। निश्चित ही यह कदम स्वागतयोग्य है। इस कानून को लाकर मोदी सरकार और विशेषतः वित्तमंत्री ने अपने दायित्व का ईमानदारी से पालन किया है।

आयकर कानून-1961 की जटिलताओं के कारण विवादों का अंबार लगा रहा है। जबकि आयकर विभाग को इन विवादों से कोई फायदा भी नहीं होता है क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। अवश्य ही यह स्थिति भारत के लिये चिन्ताजनक रही है। अब इस स्थिति में सुधार होने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी। इससे अच्छा और कुछ नहीं कि आयकरदाताओं को जटिल नियमों के साथ आसानी से समझ न आने वाली भाषा से छुटकारा मिले।

देश में ऐसी सरल कर प्रक्रिया की अपेक्षा रही है कि कोई भी आदमी कर चुकाने के मामले में जमीनी और कागजी, दोनों ही स्तरों पर आत्मनिर्भर हो। नया कानून इस बड़ी अपेक्षा की पूर्ति करते हुए बड़ी परेशानियों से मुक्ति की राह प्रशस्त कर रहा है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था को मजबूती देने के साथ नया भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को भी बदल देगा। चूंकि आयकर विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने का निर्णय लिया गया है, इसलिए यह आशा की जाती है कि वहां उस पर व्यापक एवं स्वस्थ विचार-विमर्श के दौरान उसे वास्तव में सरल रूप देने में मदद मिलेगी। इस अपेक्षा के साथ ही यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि ऐसा माहौल बनाने की आवश्यकता है, जिससे लोग स्वेच्छा से आयकर देने को प्रेरित हों और उनके मन में किसी तरह का भय न रहे।

यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में डेढ सौ करोड की आबादी वाले देश में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यतः वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। आयकर विभाग को इतना चुस्त एवं दुरस्त करने की जरूरत है कि जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते हैं, ऐसे लोगों का पता लगाये। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? इसकी अनदेखी नहीं की जाए कि कृषि आय को टैक्स के दायरे से बाहर रखने के नियम का दुरुपयोग भी किया जा रहा है। बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? खीर को ठण्डा करके खाने की बात समझ में आती है पर बासी होने तक ठण्डी करने का क्या अर्थ रह जाता है? समर्थ लोगों को स्वैच्छा से आयकर देने के लिये तत्पर होना चाहिए।

देश में आयकर का विषय विवादों से घिरा रहा है। अभी भी कुछ अर्थशास्त्री आयकर को दोहरा एवं गैर-जरूरी कराधान मानते हैं। लम्बे समय से ऐसे स्वर भी उभरते रहे हैं कि एक आम आदमी लगभग हर वस्तु और सेवा के लिये कर चुकाता है तो फिर उससे आयकर वसूलने की जरूरत क्यों है? भविष्य में इस पर भी सकारात्मक चिन्तन की अपेक्षा है। एक और बड़ी विसंगति का सामना आयकरदाता करता रहा है कि उसे आयकर विभाग हर मोर्चे पर सन्देह एवं शंका की नजर से देखता है। इसलिये जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इस बात की अपेक्षा है कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब करे और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग करे। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। आयकर विभाग को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। निश्चित ही नया आयकर कानून भारत की कर प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे करदाताओं को अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी, कर प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा। प्रेषकः

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाइटः dainiksandhyaprakash.in

ट्रैफिक पुलिस ने की चलानी कार्रवाई,

सिरोंज। शुक्रवार को शाम के समय यातायात पुलिस के द्वारा बासौदा नाके आदि चौराहों पर चालानी कार्रवाई प्रारंभ की तो वाहन चालकों में हड़कंप मच गया यातायात प्रभारी रितेश वाघेला ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर सात वाहन चालकों के चालान बनाकर जुमाने की राशि वसूली वहीं जब तक वाहन चेकिंग चली तब तक अधिकांश वाहन चालकों यहां से रास्ता बदल कर दूसरे रास्ते से जाना उचित समझा जब यहां पर वाहन चालकों आना बंद कर दिया तो इन्होंने चेकिंग भी यहां पर खत्म कर दी। जिस समय चेकिंग हो रही थी उस समय कार्रवाई से बचने के लिए कई वाहन चालक इनको देखकर वापस चले गए वाहन चालकों का कहना था कि यदि हम यहां से निकल गए तो चालान कट जाएगा इसलिए यहां से वापस जाना उचित है दूसरी ओर यातायात पुलिस ने ड्राइविंग , रजिस्ट्रेशन ,3 सवारी बिठाने वालो पर चलानी करवाई की इसके अलावा सभी वहांचालकों को हेलमेट लगाने के लिए भी प्रेरित किया।

नाले में रखा ट्रांसफार्मर दुर्घटना को देता हुआ दावत

सिरोंज। शहर में बिजली वितरण कंपनी के द्वारा कई जगह लापरवाही के साथ ट्रांसफार्मर रखने केबिल लाइन डालने का काम किया है। वहीं मंडी पास रोड पर कृषि उपज मंडी के सामने और एचडीएफसी बैंक से लगकर बीच नाले में बिजली वितरण कंपनी के द्वारा ट्रांसफार्मर रखा गया है जो प्रतिदिन दुर्घटना को दावत दे रहा है कई बार बड़े हादसे हो चुके हैं ,इसके बाद भी कई सालों से है ट्रांसफार्मर इसी तरह रखा हुआ है। कई जानवरों की मृत्यु भी नाले में करंट फैलने के कारण हो चुकी है ,इसके बावजूद इसका समाधान नहीं हो पाया है। विधायक उमाकांत शर्मा ने भी इस ट्रांसफार्मर को नाले मे देखकर नाराजगी जाहिर करते हुए ट्रांसफार्मर को नाले में से हटवाने के निर्देश एसडीएम को दिए हैं। अभी हो गया तो हो जाएगा क्योंकि नाले का निर्माण होना है। इसीलिए यहां से इस टसफार्मर को हटाकर दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सकता है। एसडीएम हर्षल चौधरी ने भी प्लानिंग होने की बात कही है।

फर्जी तरीके से लोन के पैसे निकालने वाले आरोपी के गिरफ्तार

दमोह। फर्जी तरीके से लोन के पैसे निकालने वाले आरोपी को दमोह देहात थाना पुलिस के द्वारा किया गया गिरफ्तार।30/01/24 को मार्ग जांच पर पता चला कि निर्मल यादव निवासी हिनौती का लोन स्वीकृत किया गया था।लोन स्वीकृत होने पर निर्मल यादव को आरोपी अजय यादव एवं शंकर यादव द्वारा प्रताड़ित किया गया जिसके चलते निर्मल यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लीउक्त घटनाक्रम श्रुतकीर्ति सोमवंशी पुलिस अधीक्षक दमोह के संज्ञान में आने पर आरोपियों की तलाश के लिए रुपए 3000 का गिरफ्तारी इनाम घोषित किया गया।- दिनांक 14/02/2025 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी अजय यादव पिता शंकर यादव निवासी हिनौती को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय की समक्ष पेश किया गया।

सिंग्रामपुर पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

दमोह। जिले के जबेरा थाना की चौकी सिंग्रामपुर प्रभारी आलोक त्रिपुणे ने पुलिस टीम और सामाजिक संगठन के सहयोग से अवैध शराब पर कार्यवाही। मुखबिर की सूचना पर 02 आरोपियों के कब्जे से 150 पाव लाल मसाला,125 पाव सफेद प्लेन कुल 275 पाव देशी शराब ज़ब्त। एक मोटर साईकिल कीमती करीबन 25000 रुपए भी जब्त की गई। दोनों आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

कलेक्टर ने महाशिवरात्रि की तैयारियों और व्यवस्थाओं के संबंध में निरीक्षण किया

छतरपुर। 26 फरवरी महाशिवरात्रि को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने शुक्रवार को जटाशंकर धाम पहुंचकर तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। साथ ही भगवान जटाधारी के दर्शन कर पूजा अर्चना की और जिलेवासियों के सुख, समृद्धि और उन्नति की कामना की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार, एसडीएम विजय द्विवेदी, तहसीलदार अभिनव शर्मा एवं ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित रहे। जटाशंकर धाम में महाशिवरात्रि के अवसर पर अधिक संख्या में श्रृद्धालुओं के आने का अनुमान है। जिसके चलते कलेक्टर श्री जैसवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस बल, ट्रैफिक, सुरक्षात्मक, मेडिकल टीम, एंबुलेंस एवं बिजली आदि की व्यवस्था सुचारू रहे। कलेक्टर ने दुकानों से टैक्स निर्धारित कर जमा कराने के निर्देश दिए।

एक देश एक पंचांग : उज्जैन में तय होगा देशभर में एक कैलेंडर का रास्ता

उज्जैन। भारत में काल गणना की नगरी उज्जैन में 29 मार्च से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है, जहां समय और तिथियों का अद्भुत महत्व है। यह सम्मेलन विशेष रूप से एक देश-एक कैलेंडर के विचार पर केंद्रित होगा, जो भारतीय सनातन धर्म में तिथियों और त्योहारों की सटीक गणना के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन में देश-विदेश के ज्योतिषी, अंकगणित विशेषज्ञ, वेदाचार्य और कैलेंडर निर्माता एक मंच पर जुटेंगे और इस मुद्दे पर गहन मंथन करेंगे। क्या इस बार यह कठिन कार्य सफल हो पाएगा, आइए जानते हैं....

एक देश-एक पंचांग की आवश्यकता

तिथियों और त्योहारों की गणना में अंतर के कारण भारत में त्योहारों के दिन अक्सर अलग-अलग होते हैं। इस स्थिति से निपटने के लिए एक देश-एक कैलेंडर की आवश्यकता महसूस की जा रही है। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एक समान कैलेंडर प्रणाली लागू करना है, ताकि पूरे देश में तिथियों का निर्धारण सटीक और एक समान हो सके।

पंचांग के पांच प्रमुख अंग

पंचांग में मुख्य रूप से पांच भाग होते हैं - वार, तिथि, नक्षत्र, योग और करण, जो आपस में जुड़े होते हैं और प्रत्येक दिन की विशेषताओं को निर्धारित करते हैं। इस सम्मेलन में इन पाच भागों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी ताकि एक सटीक पंचांग प्रणाली बनाई जा सके, जो पूरे देश में मान्य होगी।

विक्रम संवत की राष्ट्रीय मान्यता

सम्मेलन में विक्रम संवत को राष्ट्रीय संवत के रूप में मान्यता दिलाने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठेगा। विक्रम संवत भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और इसे राष्ट्रीय संवत के रूप में अपनाना देश की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने जैसा होगा। यह पहल न केवल धर्म और संस्कृति से जुड़ी है, बल्कि इससे राष्ट्रीय एकता को भी बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन

इस सम्मेलन में भारत के साथ-साथ पाकिस्तान और नेपाल के ज्योतिषी भी भाग लेंगे। इन देशों के विद्वानों से विचार-विमर्श के बाद यह तय किया जाएगा कि पंचांग की गणना का एक सर्वमान्य तरीका क्या हो सकता है। इससे न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी एक सामंजस्यपूर्ण और मान्यता प्राप्त पंचांग प्रणाली स्थापित करने में मदद मिलेगी।

पहले भी हो चुका है मंथन

इससे पहले भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है, जैसे 2019, 2021 और 2023 में उज्जैन में ज्योतिष सम्मेलन आयोजित किए गए, लेकिन हर बार विद्वान एकमत नहीं हो पाए। इस बार उम्मीद है कि इसे उज्जैन में ठोस रूप में लागू किया जाएगा और इस बार सभी विद्वान एक ही पंचांग प्रणाली पर सहमत होंगे।

विक्रम उत्सव के दौरान यह सम्मेलन आयोजित

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विक्रम उत्सव के दौरान यह सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। उनका मानना ??है कि विक्रम संवत को राष्ट्रीय संवत घोषित किया जाना चाहिए और इसके आधार पर पूरे देश में एक साथ सभी त्यौहार मनाए जाने चाहिए। इस दृष्टि से यह सम्मेलन न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

खंडवा के वन रेंजर की भोपाल स्थित करोड़ों रुपए की 2 संपत्ति जब्त

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय ने आज एक बड़ी कार्रवाई करते हुए खंडवा के वन रेंजर की भोपाल स्थित करोड़ों रुपए की 2 संपत्ति जब्त कर ली है।मध्य प्रदेश के खंडवा में वन विभाग के एक रेंजर की करोड़ों रुपये की दो संपत्तियां जब्त कर ली गईं हैं। प्रवर्तन निदेशालय भोपाल ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की है। हरिशंकर गुर्जर की ये जब्त संपत्तियां भोपाल के मिनाल रेजीडेंसी में दो अलग-अलग मकान हैं। ईडी की एक प्रेस रिलीज में बताया गया है कि लोकायुक्त पुलिस भोपाल द्वारा दर्ज एक स्रद्धक्र के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की गई थी। यह स्रद्धक्र भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी, 1860 के तहत हरिशंकर और उनकी पत्नी सीमा के खिलाफ दर्ज की गई थी। आरोप है कि उन्होंने अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से ज्यादा संपत्ति जमा की है।

गैर कानूनी तरीके से कमाए रुपए

जांच में ईडी ने पाया कि अवैध गतिविधियों से कमाए गए पैसे को कई अचल संपत्तियों में बदल दिया गया था। मतलब गैरकानूनी तरीके से कमाए गए पैसों से उन्होंने मकान और जमीन जैसी संपत्तियां खरीदीं। इन संपत्तियों को क्रक्र 2002 के प्रावधानों के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया था। बाद में PMLA के न्याय निर्णायक प्राधिकरण ने इस कुर्की की पुष्टि की।

इसके बाद क्रक्र की विशेष अदालत भोपाल ने 29 अप्रैल, 2023 के अपने आदेश में हरिशंकर गुर्जर और सीमा गुर्जर को दोषी ठहराया। अदालत ने उन्हें तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई और कुर्क की गई संपत्तियों को जब्त करने का भी आदेश दिया। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने जब्ती के आदेश को बरकरार रखा। फिर 15 जनवरी, 2025 के अपने आदेश के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें नई जब्त की गई दो संपत्तियां भी शामिल हैं।

फूलों की वर्षा कर मनाया श्री राम जन्म उत्सव, आज शाम 7 बजे भजन संध्या का आयोजन

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता)। राम कथा के तृतीय दिवस पर कथावाचक सदभव तिवारी ने कथा में बताया कि श्री नारद मोह एवं भगवान श्री रामचंद्र जी का अवतार किन कारणों से होता है श्रवण कराई एवं राम जन्म की कथा के प्रसंग से भक्तों को जोड़ा और भगवान के जन्म के साथ-साथ राम जी को बधाई गीत के साथ तृतीय दिवस का मंगलमय में विश्राम हुआ सामूहिक भजन मंडल द्वारा चल रही भागवत कथा में शुक्रवार को राम जन्म हुआ जिसमें सामूहिक भजन मंडल की बहनों ने फूलों की वर्षा कर खुशियां मनाई और राम जी का जन्मोत्सव मनाया आज शाम 7-00 बजे भजन संध्या का आयोजन है जिसमें सुप्रसिद्ध बाल भजन गायिका बहने आहना कृष्ण पाठक सुदीक्षा पाठक एवं श्लोका पाठक अपने पिता कृष्ण गोपाल पाठक के साथ देशभर में चर्चित कार्यक्रम सबके राम सबमें राम की प्रस्तुति देंगी तीसरे दिवस कथा के अवसर पर अनुराधा विजयवर्गी, राजकुमारी मित्तल,मानसी मित्तल, सपना अग्रवाल, नमीता अग्रवाल, दीपू अग्रवाल, प्रियंका गुप्ता ,मनोज हेमलता चौरसिया पार्षद, चंदा चावला, श्याम सोनी, उन्नति राय ,कमला मधु जैन, रजनी चावला, भोजपुर नारी शक्ति समिति प्रभात फेरी मंडल के अध्यक्ष आरती यादव, अशोक मित्तल, जितेंद्र दुबे, सुदामा तिवारी, राकेश तिवारी, सत्येंद्र पांडे, संतोष गुप्ता माताएं एवं बहने आदि श्रद्धालु उपस्थित थे

नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने किया पार्वती घाट निर्माण का निरीक्षण

सर्चिंग कार्य के तहत नपा अमले ने जप्त की 22 विद्युत जल मोटर

आष्टा। नगरपालिका द्वारा नगर की जीवन दायिनी मां पार्वती नदी के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की दृष्टि से नदी के दोनों ओर व्यवस्थित घाट का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसका नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा द्वारा नपा के तकनीकी अधिकारी उपयंत्री पी.के. साहू के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पार्वती नदी पर बनने वाले घाटों के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखकर स्वयं की मौजूदगी में कार्य करवाना सुनिश्चित करें। घाटों का निर्माण नगर के श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण कार्यों में से एक है। साथ ही रामपुरा डेम से नगर के नागरिकों के लिए छुड़वाए गए पानी की जानकारी ली और कहा कि रामपुरा डेम से आष्टा नगर के नागरिकों के लिए एक सप्ताह पूर्व पेयजल हेतु पानी छुड़वाया गया है, किंतु पार्वती नदी से लगे ग्रामों के ग्रामीणजन अवैध रूप से विद्युत जल मोटर डालकर पानी की चोरी की जा रही है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री मेवाड़ा ने नपा कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगरपालिका कर्मचारियों की टीम गठित कर रात्रिकालीन सर्चिंग कार्य हेतु भेजकर पानी की चोरी होने से रोके। वहीं श्री मेवाड़ा ने ग्रामीणजनों से अपील करते हुए कहा कि नगर के लिए छुड़वाए गए पानी को रोके नही, अगर नपा के सर्चिंग दल द्वारा अवैध रूप से विद्युत मोटर डालकर पानी की चोरी करते पाए जाने पर जल संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाएगी तथा जप्त विद्युत मोटरों को राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा द्वारा नपा कर्मचारियों को दिए निर्देश के फलस्वरूप सर्चिंग टीम गठित की गई और उनके द्वारा सर्चिंग कार्य के तहत लगभग 22 विद्युत जल मोटरें जो अवैध रूप से नदी में डालकर ग्रामीणजनों द्वारा पानी की चोरी की जा रही थी, उन्हें जप्त किया गया है। निरीक्षण के दौरान नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा के साथ उपयंत्री पी.के. साहू, पंप अटेंडेंट कैलाश बागवान, प्रहलादसिंह वर्मा मौजूद थे।

कलेक्टर ने विभिन्न निर्माण कार्यों, कार्यालय तथा अस्पताल का किया निरीक्षण

अनुपस्थित डॉक्टरों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. ने भैरूंदा तथा रेहटी तहसील के अनेक स्थानों का भ्रमण कर विभिन्न शासकीय गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लाड़कुई स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, निर्माणाधीन कन्या शिक्षा परिसर के भवन, भैरूंदा के एसडीएम एवं तहसील कार्यालय, आजीविका रूरल मार्ट एंव सलकनपुर देवीलोक का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भैरूंदा एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

समय पर खुलें अस्पताल और उपस्थित रहे पूरा स्टाफः कलेक्टर बालागुरू के. ने लाड़कुई स्थित सामुदायिक स्वास्थ?य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डॉ महेश पांडे तथा डॉ राजकुमार मीना के अनुपस्थित पाए जाने पर घोर नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया को निर्देश दिए कि अनुपस्थित डॉक्टरों को कारण बताओं नोटिस जारी करें। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी चिकित्सकों एवं अस्पताल के स्टाफ को अपने ड्यूटी समय पर उपलब्ध रहने तथा पूरी गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बालागुरू के ने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मरीजों को त्वरित और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

भैरूंदा एसडीएम-तहसील कार्यालय का किया निरीक्षणः कलेक्टर श्री बालागुरू के ने भैरूंदा तहसील कार्यालय तथा एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आमजन के सभी राजस्व संबंधी मामलों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निराकृत किए गए राजस्व प्रकरणों अभिलेखों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व संबंधी काम समय सीमा में किए जाएं ताकि आमजन को पेरशान न होना पड़े। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तहसील कार्यालय एवं एसडीएम कार्यालय में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरुस्ती संबंधी सभी कार्यवाही का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने अभिलेखों का बेहतर ढंग से संधारण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मदन सिंह रघुवंशी, नायब तहसीलदार संदीप गौर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

निर्माणाधीन सलकनपुर देवीलोक का निरीक्षणः कलेक्टर बालागुरू के. ने रेहटी तहसील स्थित सलकनपुर में चल रहे देवीलोक निर्माण के कार्यों के साथ ही मंदिर परिसर के अन्य कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभी तक किए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता देखी और सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी निर्माण कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें और कार्यों की गुणवत्ता की जांच करें। उन्होंने देवीलोक के निर्माण एवं विकास कार्यों में गति लाते हुए सभी कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देवीलोक निर्माण के लिए स्वीकृत की गई डिजाइन और मापदण्डों के अनुसार ही सभी कार्य किए जाएं और सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं।

स्कूल भवन और रोड निर्माण के लिए मंत्रियों से मिलीं विधायक

ललिता यादव ने मांग पत्र सौंपकर मांगी निर्माण स्वीकृति और राशि

छतरपुर। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के 5 स्कूल भवनों के निर्माण और 4 सड़क निर्माण की मांग को लेकर छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने आज राजधानी भोपाल में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह तथा लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह से मुलाकात कर उन्हें मांग पत्र सौंपकर स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि आवंटित किए जाने की मांग की। दोनों ही मंत्रियों ने मांग पत्र पर विचार कर त्वरित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह से मिलकर सौंपे मांग पत्र में बताया कि हायर सेकेंडरी स्कूल धमौरा और महेबा तथा हाईस्कूल कीरतपुरा और अचट्ट तथा प्राइमरी स्कूल कदारी के स्कूल भवन निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि आवंटित की जाए। ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह को मांग पत्र सौंपकर बसाटा से छापर तक 4 किमी रोड, सटई मेन रोड से पुरानी बछरौनिया तक डेढ़ किमी रोड, कालापानी रोड से धौरी तक 2 किमी रोड और ढिलापुर से हतना तक 3 किमी रोड का निर्माण कार्य स्वीकृत कर 10 करोड़ 50 लाख रुपए का बजट आवंटित करने की मांग की। इसके साथ ही छतरपुर में फोरलेन के पास निर्माणाधीन नई तहसील के पास नवीन सर्किट हाउस का निर्माण कार्य कराए जाने की भी मांग की।

स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव को इन निर्माण कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कर काम शुरू कराने का भरोसा दिया।

अवैध शराब परिवहन में पकड़े वाहनों को राजसात के लिए संबंधित को कलेक्टर न्यायालय में उपस्थित होने का आदेश

छतरपुर। सहायक आबकारी आयुक्त छतरपुर ने बताया कि कलेक्टर न्यायालय के आदेशानुसार दिनेश राय पिता ओमप्रकाश राय निवासी कृष्ण बिहार कॉलोनी सीपरी झांसी (उ.प्र.) तथा अवैध शराब परिवहन करते पकड़े गए जब्त शुदा वाहन एक बुलेरो जिसका नंबर यूपी 93 एजे 2008 है और अपराध प्रकरण थाना कोतवाली में पंजीबद्ध है। साथ ही कालीचरण अहिरवार पिता रल्ही निवासी वार्ड नंबर 12 पन्ना रोड सिमारिया छतरपुर एवं सर्वसाधारण अवैध मदिरा परिवहन के वाहन स्विफ्ट डिजायर वाहन क्रमांक यूपी 14 बीयू 7537 कार से किए जाने के संबंध में अपराध थाना बमीठा में पंजीबद्ध है। उक्त वाहनो को राजसात किए जाने संबंधी कार्यवाही कलेक्टर न्यायालय छतरपुर में विचाराधीन है अनेकों अवसरों के बाद भी 6 फरवरी 2025 तक कलेक्टर न्यायालय में सम्बंधित उपस्थित नहीं हुए। न्यायालय के आदेशानुसार 25 फरवरी 2025 तक स्वयं उपस्थित होकर, यदि फाइनेंस कंपनी व्यक्ति अथवा बैंक द्वारा लोन दिया गया हो तो संबंधित व्यक्ति अपना पक्ष कलेक्टर न्यायालय के समक्ष रखें अन्यथा आपके उत्तरदायित्व पर एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए उक्त वाहन राजसात कर लिए जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara
शुक्ला ग्राउन्ड के सामने गुरैया रोड
वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001
दूरभाष एवं फैक्स नंबर- 07162-222346
Email : commchhindwara@mpurban.gov.in
क्रं/6695/रा.शा./न.पा.नि./2025 छिंदवाड़ा, दिनांक 13.02.2025

::-आम सूचना आपत्ति इश्तेहार -::

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता हैं, कि इतवारी बाजार कॉम्प्लेक्स स्थित दुकान क्रमांक 341 भूतल, क्षेत्रफल 100 वर्गफीट, जो कि अनारक्षित हेतु आवंटित हैं, उक्त दुकान में आवेदक श्री राहुल साहू पिता स्व. अशोक साहू द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र दिनांक 04.02.2025, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया हैं। दुकान पर वर्तमान में श्री अशोक साहू पिता श्री सोहनलाल साहू का नाम दर्ज हैं। आवेदक की माता श्रीमति सुमन साहू पति स्व. अशोक साहू की मृत्यु दिनांक 06/01/2016 एवं पिता श्री अशोक साहू पिता श्री सोहनलाल साहू की मृत्यु दिनांक 12/04/2023 के पश्चात् आवेदक शपथ-पत्र दिनांक 04.02.2025, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के द्वारा प्राप्त हुई हैं। जिसमें आवेदक अपना नाम दर्ज करवाना चाहता हैं। उक्त दुकान की चतुर्थ सीमा निम्नानुसार है - उत्तर में- दुकान क्रं. 340, दक्षिण में- दुकान क्रं. 342, पूर्व में- दुकान का रास्ता एवं पश्चिम में - दुकान क्रं. 336 हैं।
प्रस्तुत आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर उक्त दुकान का नामान्तरण आवेदक श्री राहुल साहू पिता स्व. अशोक साहू के नाम पर किये जाने में यदि किसी व्यक्ति अथवा कोई हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेजों सहित कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित में अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि बाद किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
जोन क-08 यात्रिक विभाग
निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क. 296/ यां.वि./2025 भोपाल, दिनांक -14.02.2025

निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु दो लिफाफा पद्धति के अनुसार म.प्र. लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत व्यवस्था के अंतर्गत पंजीकृत ठेकेदार परसेन्टेज मोहर बंद निविदाये निर्धारित प्रपत्र पर आनलाईन आंमत्रित की जाती है।

No	Tender ID	Name of Work	Probable Amount of Contract (Rs. in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (In Rs)	Cost of Bid Docu ment (In Rs)	Period of Comple tion (in Months)	SOR
1	2025_ UAD_ 402391_1	CONSTRUCTION OF KOTA STONE WORK CC AND PLASTER WORK NEAR HARIRAM BABUJI CHABUTRA KRISHNA SOCIETY w-30 208 Estimate no. 2020225379	111474/-	2229/-	1000/-	02 months	MPUADD Building and non sor ISSR 2021
2	2025_ UAD_ 402464_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD NEAR JANTA-115 HARSHWARDHAN NAGAR W-302-08 Estimate no 2020225373	253062/-	2531/-	2000/-	02 months	MPUADD Building ISSR 2021
3	2025_ UAD_ 402536 _1	PROVIDING AND FIXING OF PAVING BLOCK AND REPAIRING OF CHAMBER AT CHANAKYAPURI CHUNNA BHATTI W30 ZOB Estimate no. 2020225547	190792/-	3816/-	1000/-	02 months	MPUADD building ISSR 2021

1. Interested bidders can view the NIT on website https://www.mptenders.gov.in/
2. The Bid Document can be purchased only online from 10:30A.M. (time) 14.02.2025(date) to 17:30P.M. (time) 27.02.2025 (date).
3. Amendments to NIT, if any, would be published on website https://www.mptenders.gov.in/only, and not in newspaper.
The initial period of 05(five year after completion shall be treated as Defect Liability Period (DLP)

नि.क्र. 1294/024/025

Assistant Engineer
Zone-08 , Municipal Corporation Bhopal

भारतीय रिजर्व बैंक ने न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर लगाया प्रतिबंध, पैसा नहीं निकाल पाने से ग्राहक परेशान

मुंबई। भारत में बैंकिंग क्षेत्र में कभी-कभी ऐसे घटनाक्रम होते हैं जो आम जनता के लिए चिंता का कारण बन जाते हैं. जब किसी बैंक पर अचानक रोक लगाई जाती है, तो ग्राहक घबरा जाते हैं. मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक के ग्राहकों के लिए भी ऐसा ही संकट खड़ा हो गया है. भारतीय रिजर्व बैंक ने इस बैंक पर कई गंभीर प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे न केवल नया कारोबार ठप हो गया है, बल्कि ग्राहकों को अपने ही पैसे निकालने की अनुमति भी नहीं दी गई है. आखिर यह प्रतिबंध क्यों लगाया गया, इसका क्या असर पड़ेगा, और ग्राहकों को आगे क्या करना चाहिए, चलिए जानते हैं.

भारतीय रिजर्व बैंक ने मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर जो प्रतिबंध लगाए हैं, उसके बाद बैंक अब कोई नया कर्ज नहीं दे सकेगा, न ही ग्राहक अपने जमा पैसे निकाल सकेंगे. यह कदम बैंक की वित्तीय स्थिति और सुपरवाइजरी चिंताओं को देखते हुए उठाया गया है.

आरबीआई के अनुसार, जिन ग्राहकों के पैसे इस बैंक में जमा हैं, वे अधिकतम 5 लाख रुपये तक की जमा बीमा योजना के तहत क्लेम कर सकते हैं. ऐसे ग्राहकों को अपने दावे बैंक में जमा करने होंगे. मार्च 2024 के अंत तक बैंक में कुल जमा राशि 2436 करोड़ रुपये थी.

क्यों लिया गया ऐसा फैसला

आरबीआई ने स्पष्ट किया कि 13 फरवरी 2025 से बैंक कोई नया कर्ज जारी नहीं कर पाएगा, न ही पुराने लोन को रिन्यू कर सकेगा. इसके अलावा, बैंक को किसी भी प्रकार के नए निवेश करने या नए डिपॉजिट स्वीकार करने की अनुमति नहीं होगी. बैंक किसी को भी भुगतान नहीं कर सकेगा और अपनी किसी भी संपत्ति को बेच या ट्रांसफर नहीं कर पाएगा. यह फैसला बैंक की कमजोर वित्तीय स्थिति को देखते हुए लिया गया है. बैंक की नकदी स्थिति संतोषजनक नहीं है, जिससे जमाकर्ताओं के पैसे पर खतरा मंडराने लगा था. इसीलिए आरबीआई ने बचत खाते, चालू खाते और अन्य जमाकर्ता खातों से निकासी पर रोक लगा दी है. नियामक संस्था का कहना है कि यह कदम लोगों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है, ताकि बैंक की स्थिति को नियंत्रित किया जा सके और ग्राहकों को बड़े नुकसान से बचाया जा सके. आरबीआई इस बैंक की स्थिति पर लगातार नजर रखेगा और जरूरत पड़ने पर इन निर्देशों में बदलाव कर सकता है. फिलहाल, ये पाबंदियां 13 फरवरी 2025 से अगले छह महीनों तक लागू रहेंगी. इस दौरान बैंक और उसके ग्राहकों के लिए स्थिति कैसी रहती है, यह पूरी तरह से आरबीआई की समीक्षा और बैंक की वित्तीय स्थिति पर निर्भर करेगा.

इन्वेस्टर्स के लिए खुशखबरी! SEBI ने लॉन्च किया नया डिजिटल प्लेटफॉर्म MITRA, अब ऐसे होगी निवेशकों की मदद

नई दिल्ली। SEBI ने बुधवार को एक नया डिजिटल प्लेटफॉर्म MITRA लॉन्च किया है, जिसका पूरा नाम Mutual Fund Investment Tracking and Retrieval Assistant है। यह प्लेटफॉर्म निवेशकों को उनके निष्क्रिय और बिना दावे वाले म्युचुअल फंड पोर्टफोलियो को ट्रैक करने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य निवेशकों को उनके भूले हुए निवेशों की पहचान करने में सहायता देना है। MITRA के माध्यम से निवेशक आसानी से उन म्युचुअल फंड्स का पता लगा सकते हैं जिन्हें उन्होंने पहले निवेश किया था, लेकिन उन पर ध्यान नहीं दिया। इसके अलावा, यह प्लेटफॉर्म निवेशकों को अपनी केवाईसी जानकारी को समय पर अपडेट करने की चेतावनी भी देगा। इसके अलावा, यह प्लेटफॉर्म निवेशकों की उस समस्या को हल करेगा, जिसमें वे अपनी निवेश जानकारी को अद्यतन न करने या सही संपर्क जानकारी के अभाव में मिस कर देते हैं।

SEBI ने इस प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने का मुख्य कारण बताया है कि निष्क्रिय पोर्टफोलियो धोखाधड़ी के लिए संवेदनशील हो सकते हैं। इसलिए, स्ब्ङ्घ्रक्र को निवेशकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह प्लेटफॉर्म निवेशकों को उनके निष्क्रिय म्युचुअल फंड पोर्टफोलियो का पता लगाने में मदद करेगा, जिससे वे अपने वित्तीय फैसलों को और बेहतर तरीके से ले सकेंगे। स्श्वक्चढ्ढ ने यह सुविधा निवेशकों को उनके निवेश पर बेहतर नजर रखने और सुरक्षा प्रदान करने के लिए दी है।

प्रिया ठाकुर ने असल ज़िंदगी में भी रखा उपवास!

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी का 'वसुधा' अपनी दिलचस्प कहानी और दमदार किरदारों से दर्शकों को बांधे हुए है। आने वाले एपिसोड्स भी कुछ कम नहीं होंगे, क्योंकि कहानी में एक जबर्दस्त मोड़ आने वाला है! इसमें चंद्रिका (नौशीन अली सरदार) अपने उत्तरायण व्रत की सफ्लतापूर्वक समाप्ति का जश्न मनाती है, जबकि वसुधा (प्रिया ठाकुर) चुपचाप देवांश (अभिषेक शर्मा) के लिए व्रत रखती है। लेकिन जब सावित्री (शीबा अज़हर सम्राट) को ये राज़ पता चलता है, तो हालात और भी दिलचस्प हो जाते हैं। शो के इस इंटेंस सीक्वेंस के बीच एक दिलचस्प संयोग हुआ! प्रिया ठाकुर, जो वसुधा का किरदार निभा रही हैं, सिर्फ ऑन-स्क्रीन ही नहीं, बल्कि असल ज़िंदगी में भी उसी दिन व्रत रख रही थीं! पूरे दिन सिर्फ फ्लों पर निर्भर रहकर, प्रिया ने न सिर्फ अपने किरदार के प्रति बल्कि अपनी आध्यात्मिक आस्था के प्रति भी अपनी सच्ची निष्ठा दिखाई। यही कारण है कि आने वाले एपिसोड्स में उनकी अदाकारी पहले से कहीं ज्यादा असरदार और जज़्बातों से भरपूर होगी। '

मार्केट्स4यू डिजिटल गोल्ड ट्रेडिंग को आसान बनाने के लिए लेकर आए नया कैंपेन

नई दिल्ली। अग्रणी ग्लोबल मल्टी-असेट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म मार्केट्स4यू ने अपने नए विज्ञापन 'थिंक गोल्ड, थिंक मार्केट्स4यू' का लॉन्च किया है, जो इस प्लेटफॉर्म पर गोल्ड ट्रेडिंग को आसान एवं सुलभ बनाने की बात कहता है। विज्ञापन की फिल्म रचनात्मक रूप से दर्शाती है कि किस तरह मार्केट्स4यू ने गोल्ड ट्रेडिंग के तरीके को बदल डाला है और इसे हर किसी के लिए आसान बना दिया है। यह विज्ञापन एक आकर्षक कहानी पर फिल्माया गया है जिसमें दर्शाया गया है कि एक राजसी व्यक्ति ने अपनी सम्पत्ति को सिर्फ सोना जमा करके नहीं बल्कि मार्केट्स4यू पर ट्रेडिंग करके जमा किया है। यह विज्ञापन दर्शाता है कि कोई भी व्यक्ति बड़े ही आसान और सुरक्षित तरीके से गोल्ड में ट्रेडिंग कर सकता है। यह विज्ञापन रोचक अंदाज़ में संदेश देता है 'स्मार्ट किंग का गोल्ड लॉकर नहीं, ट्रेडिंग अकाउन्ट होता है'। इसके बाद एक शाही दरबार का दृश्य आता है, जिसमें एक चोर राजा का सोना चुराने की कोशिश के आरोप में पकड़ा जाता है।

सुपरफास्ट कनेक्टिविटी, किफायती कीमत! सैमसंग ने लॉन्च किया गैलेक्सी एफ06-5जी

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांडसैमसंगने आज देश में अपना सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ06 5जी लॉन्च करने की घोषणा की। यह स्मार्टफोनउच्च प्रदर्शन और शानदार स्टाइलके बेहतरीन संयोजन के साथ 5जी सेगमेंट में नई क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह किफायती दाम में बेहतरीन 5जी अनुभव प्रदान करेगा, जिससे अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक 5जी तकनीक पहुंचेगी और पूरे देश में इसका विस्तार तेजी से होगा।गैलेक्सी एफ06 5जी सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के 12 5जी बैंड को सपोर्ट करता है। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के जनरल मैनेजर अक्षय एस. रावने कहा,हमें अपने सबसे किफायती 5जी स्मार्टफोन की घोषणा करते हुए बेहद गर्व हो रहा है। यह अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। गैलेक्सी एफ06 5जी का लॉन्च हमारी इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हम डिजिटल खाई को पाटने और लाखों उपभोक्ताओं कोसंपूर्ण 5जी अनुभव, दमदार परफॉर्मेंस और नए स्टाइलिश डिज़ाइनके साथ सशक्त बनाना चाहते हैं।

मप्र हाईकोर्ट का आदेश, पेरेंट्स को भरनी पड़ेगी 10 प्रतिशत तक फीस वृद्धि

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पारित अपने आदेश में कहा है कि पेरेंट्स को 10त्न तक फीस वृद्धि भरनी पड़ेगी। निजी स्कूलों के खिलाफ बीते 1 साल से चल रही कार्रवाई की वजह से लाखों छात्र-छात्राओं के सामने परीक्षा न देने का संकट खड़ा हो गया था. निजी स्कूल बिना फीस के परीक्षा दिलाने को तैयार नहीं थे. इस मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने सभी पक्षों के तर्क सुनने के बाद आदेश दिया है कि अभिभावक फिलहाल 10त्न तक फीस वृद्धि करके फीस जमा करें. 10त्न से ज्यादा की फीस बढ़ोतरी स्वीकार नहीं की जाएगी. इस मामले की अगली सुनवाई 17 अगस्त को होगी. मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में आज स्कूल फीस के मामले में सुनवाई हुई. इस मामले में पेरेंट्स एसोसिएशन, निजी स्कूल और राज्य सरकार के बीच में मुकदमा चल रहा है. पेरेंट्स एसोसिएशन की ओर से पक्ष रखने वाले वकील सुरेंद्र वर्माने बताया कि ऋमध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अंतरिम आदेश में कहा है कि अभिभावक पिछले साल की फीस में 10त्न बढ़ाकर फीस जमा करें. यदि 10त्न से कम है तो कम भी जमा की जा सकती है. किसी भी हाल में पिछले साल की अपेक्षा 10त्न से ज्यादा की बढ़ोतरी स्कूल फीस में नहीं की जा सकती.दरअसल पिछले साल राज्य सरकार ने आदेश दिया था कि प्राइवेट स्कूल, राज्य सरकार के निजी स्कूल अधिनियम का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे हैं और छात्रों से मनमानी फीस वसूली जा रही है. जबकि राज्य सरकार ने अपने अधिनियम में यह स्पष्ट कर दिया है कि 10त्न तक फीस बढ़ाने के लिए निजी स्कूलों को जिला स्तरीय समिति से अनुमति लेनी होगी. साथ ही 10त्न से ज्यादा फीस बढ़ाने के लिए राज्य स्तर की समिति से अनुमति लेना अनिवार्य है.

राज्य सरकार के आदेश के बाद जबलपुर कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिला शिक्षा अधिकारी और राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ एक टीम बनाई और जबलपुर के 9 बड़े स्कूलों की जांच करवाई. शुरुआत में जिन 9 स्कूलों की जांच हुई, उन्होंने न केवल स्कूल फीस को मनमाने तरीके से वसूला बल्कि स्कूल से होने वाली कमाई का उपयोग भी

प्रोस्टार्म इन्फो सिस्टम्स लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी से सैद्धांतिक मंजूरी मिली

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई मुख्यालय वाली देशव्यापी पावर सॉल्यूशन प्रोडक्ट कंपनी प्रोस्टार्म इंफो सिस्टम्स लिमिटेड ने आज घोषणा की कि उसे बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से अपना आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) लाने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इस आईपीओ में ?10 फेस वैल्यू के 1,60,00,000 इक्विटी शेयरों का ताज़ा इश्यू शामिल है और इसे बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध किया जाएगा। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड बुक-रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीस लिमिटेड इस निर्गम की रजिस्ट्रार है। डीआरएचपी के अनुसार, कंपनी इस आईपीओ से प्राप्त धन का उपयोग विभिन्न गतिविधियों जैसे कार्यशील पूंजी, कर्ज के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान, इनऑर्गेनिक विकास के मौके हासिल करने, रणनीतिक पहलों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने की योजना बना रही है।

विश्व बैंक सहित 11 अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में होंगी शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को होंने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विश्व बैंक सहित 11 प्रमुख वैश्विक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन विश्व स्तरीय संस्थाओं के आने से भोपाल में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का महत्व और बढ़ गया है। इनकी मौजूदगी से मध्यप्रदेश में निवेश के इच्छुक निवेशकों को निवेश के लिए आर्थिक मदद सहित अन्य मामलों में भी आसानी से मदद मिल सकेगी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में विश्व बैंक सहित प्रमुख वित्तीय संस्थानों और व्यापार संवर्धन निकायों की भागीदारी से कार्यक्रम का वैश्विक महत्व बढ़ गया है। वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसीज अपनी विशेषज्ञता यहां प्रदान करेंगी। जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाईजेशन जेट्रो और ताइवान एक्सटर्नल ट्रेड डेवलपमेंट काउंसिल टेट्रा की भी इस बार त्नद्बस् क्च्द्बश्चश्चड्डद्य में भागीदारी रहगी। इससे इंडो पैसिफिक आर्थिक साझेदारी संभव हो सकेगी। सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स और इंडियन चैंबर ऑफ कामर्स इन कोरिया की भागीदारी इन क्षेत्रीय संबंधों को और मजबूत करेगी।

यूरोपिय हितों का प्रतिनिधित्व जर्मनी ट्रेड एंड इन्वेंस्ट, इंडो जर्मन चेंबर ऑफ कामर्स, इंडिया आयरलैंड काउंसिल और इटालियन ट्रेड एजेंसी के माध्यम से किया जा रहा है जो मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में यूरोप की गहरी रुचि को दर्शाता है। इन्वेस्ट ओटावा कनाडा की भागीदारी के साथ उत्तर अमेरिका की उपस्थिति भी सुनिश्चित है। जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की पहुंच को महाद्वीपों में विस्तारित करने में मददगार हो सकेगी। इतनी बड़ी वित्तीय संस्थाओं की ग्लोबल इन्वेटर्स समिट में भागीदारी मध्यप्रदेश की आर्थिक क्षमता में वैश्विक विश्वास को प्रकट करती है। पसंदीदा निवेश स्थल के रुप में मध्यप्रदेश का की भागीदारी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की मदद से हो सकेगी। महाद्वीपों में मजबूत राजनयिक और आर्थिक संबध को बढ़ावा मिलेगा। इन संस्थाओं के प्रतिनिधि की मौजूदगी से विभिन्न देशों के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने की संभावनाएं बढ़ेंगी।

इन संगठनों की उपस्थिति से निवेशकों के साथ सीधी बात हो सकेगी। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान प्रदान हो सकेगा। नई साझेदारी के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार हो सकेगा। इन वैश्विक वित्तीय संस्थाओं की जीआईएस में भागीदारी वैश्विक निवेश परिदृश्य में मध्यप्रदेश के बढ़ते कद को दर्शाती है और आर्थिक सहयोग और विकास के नये मार्ग खोलने का वादा करती है।

विश्व बैंक भारत की ओर से कंट्री डायेक्टर वर्ल्ड बैंक अगस्ते टानो,इन्फ्रास्ट्रक्च र प्रोग्राम लीडर अरनब बंदोपाध्याय, सीनियर स्पेशलिस्ट डिजिटल ट्रांसफार्मेशन राय माहिमापथ रे, लीड एक्र्टनल अफेयर्स सुदीप मजुमदार, जापान की जेट्रो से डायरेक्टर जनरल हिरोयूकी किटामुरा, डायरेक्टर माशाहिरो सिनोडा, असिस्टेंट डायरेक्टर संजय भाटिया,ताईवान से डायरेक्टर जनरल टेक इन मुंबई जिह शेंग वांग, डायरेक्टर टेट्रा मुंबई विक लिन, ट्रेड प्रमोशन स्पेशलिस्ट टैट्रा मुंबई कीरथाना नंबियर, कनाडा से इन्वेस्ट ओटावा के वाइस प्रेसिडेंट ग्लोबल एक्सपांसन जेन्स मिचा स्काल, फारेन डायरेक्ट इन्वेटमेंट मैनेजर ग्लोबल एक्सपांसन तोबायस स्पीसेस, भारत की वैपा से डिप्टी एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर दुष्यंत ठाकोर, जर्मनी से जर्मनी ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट डायरेक्टर इंडिया सीमा भारद्वाज, इंडो जर्मन चेंबर ऑफ कामर्स जर्मनी से मैनेजिंग डायरेक्टर स्टीफन, डिप्टी डायरेक्टर यूटे ब्रोकमान, ऑस्ट्रेलिया से आष्टनेड के डायरेक्टर अनुपम दुबे, कोरिया से इंडियन चेंबर ऑफ कामर्स इन कोरिया के चेयरमेंन रमेश लयेर, आयरलेंड इंडिया काउंसिल आयरलेंड से चेयरमेंन मनीष त्रिपाठी, इटली से इटैलियन ट्रेड एजेंसी के हेड एफडीआई डेस्क मुंबई मरीनालेंकी कुमार और इंडो पोलिस चेंबर ऑफ कामर्स पोलेंड से प्रेसिडेंट जेजे सिंह।

प्रयागराज: 4 दिन और चार विश्व रिकॉर्ड, महाकुंभ में बनने जा रहा ये कीर्तिमान

लखनऊ। प्रयागराज महाकुंभ 2025 में 14 से 17 फरवरी तक चार बड़े विश्व रिकॉर्ड बनेंगे, जिनका उद्देश्य स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है. इन रिकॉर्ड्स में 15 हजार सफाईकर्मियों द्वारा गंगा तट की सफाई, 300 कर्मचारियों द्वारा नदी की सफाई, 1000 ई-रिक्शा की परेड और 10 हजार लोगों के हैंडप्रिंट्स शामिल हैं. प्रयागराज महाकुंभ में 14 से 17 फरवरी तक चार बड़े विश्व रिकॉर्ड बनाए जाएंगे, जो स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा के संदेश को फैलाएंगे. इस बार गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम भी यहां मौजूद रहेगी, जो इन रिकॉर्ड्स को मान्यता प्रदान करेगी. मेला प्रशासन ने इन रिकॉर्ड्स को सफलतापूर्वक बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं.

महाकुंभ के पहले रिकॉर्ड की शुरुआत 14 फरवरी से होगी. इस दिन 15 हजार सफाईकर्मी संगम क्षेत्र में 10 किलोमीटर लंबी गंगा तट की सफाई करेंगे. महाकुंभ 2019 में 10 हजार सफाई कर्मचारियों ने एक साथ सफाई करके रिकॉर्ड बनाया था, जिसे अब 15 हजार सफाई कर्मी मिलकर तोड़ेंगे. 15 फरवरी को 300 सफाईकर्मी गंगा और यमुना नदी के किनारों पर सफाई अभियान चलाएंगे. यह रिकॉर्ड इस बात को सुनिश्चित करेगा कि नदी के किनारे और जलधारा पूरी तरह से स्वच्छ रहें. यह अभियान स्वच्छता के महत्व को दर्शाता है और सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का एक बड़ा कदम होगा. 16 फरवरी को त्रिवेणी मार्ग पर 1000 ई-रिक्शा की सबसे लंबी परेड आयोजित की जाएगी. यह रिकॉर्ड पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा. इस प्रयास के जरिए महाकुंभ को प्रदूषण मुक्त बनाने का उद्देश्य भी पूरा किया जाएगा. 17 फरवरी को महाकुंभ में 10 हजार लोगों के हाथों के छाप (हैंड प्रिंट्स) लिए जाएंगे. यह रिकॉर्ड स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक अनोखा तरीका होगा. प्रशासन ने इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं.

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम की मौजूदगी: इन चारों रिकॉर्ड्स को बनाने के दौरान गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम मौजूद रहेगी. गिनीज टीम इन प्रक्रियाओं की निगरानी करेगी और रिकॉर्ड्स को सही तरीके से पूरा करने के बाद उसे मान्यता देगी.

मप्र में नई आबकारी नीति जारी, बिना पीओएस नहीं बिकेगी शराब, लगेगा जुर्माना

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य के 19 पवित्र शहरों और गांवों में शराब की दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया है। यह कदम धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों के आस-पास शराब की बिक्री को नियंत्रित करने और समाज में सुधार लाने के उद्देश्य से उठाया गया है। इन क्षेत्रों में प्रमुख धार्मिक स्थल और पर्यटक स्थल हैं, जहाँ श्रद्धालु आते हैं। शराब की बिक्री पर रोक लगाने से इन स्थानों की पवित्रता बनी रहेगी और सामाजिक व पर्यावरणीय सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

शराब की कीमतों में होगा इजाफा: शराब की दुकानों को बंद करने से होने वाली आय की कमी को पूरा करने के लिए, राज्य सरकार ने अन्य जिलों में शराब की कीमतों में 25 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम सरकार के लिए एक संतुलन बनाए रखने का तरीका है, ताकि राज्य को आवश्यक राजस्व मिलता रहे। हालांकि, यह वृद्धि शराब की बिक्री और उपभोग को सीमित करेगी और इससे आय की कमी को पूरी तरह से भरने में मदद मिलेगी।

पीओएस मशीनों का अनिवार्य उपयोग: आबकारी विभाग ने शराब की बिक्री को अधिक पारदर्शी बनाने और काले धन की रोकथाम के लिए पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। अब सभी शराब दुकानों को पीओएस मशीनों के माध्यम से बिक्री करनी होगी, जिससे हर बिक्री का रिकॉर्ड रखा जा सके। इससे न केवल बिक्री की प्रक्रिया पारदर्शी होगी, बल्कि सरकार के लिए भी इस पर नियंत्रण रखना आसान होगा।

रेस्तरां के लिए नई व्यवस्था: नई आबकारी नीति के तहत, रेस्तरां में शराब की बिक्री के लिए ओपन एरिया में फ्लोर एरिया बढ़ाने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य रेस्तरां संचालकों को अधिक स्थान का उपयोग करने की सुविधा देना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इसके अतिरिक्त, कमर्शियल आयोजनों के लिए भी लाइसेंस शुल्क को आयोजन स्थल के आकार और दर्शकों की संख्या के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। इससे आयोजकों के लिए सुविधा होगी और राज्य के लिए अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न होगा।

ई-बैंक गारंटी की अनिवार्यता: आबकारी विभाग ने शराब दुकानों के ठेकेदारों के लिए नए नियम लागू किए हैं। एक अप्रैल 2025 से, सभी शराब दुकानों के ठेकेदारों को ई-बैंक गारंटी देने की आवश्यकता होगी। यह गारंटी कम से कम 30 अप्रैल 2026 तक वैध रहेगी। ठेकेदारों से प्रमाणित दस्तावेज भी मांगे जाएंगे, जिससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि ई-बैंक गारंटी का पहला हक सिर्फ उस ठेकेदार के पास होगा, जिसे शराब दुकान का ठेका मिला हो। यह गारंटी साइबर ट्रेजरी के माध्यम से जमा की जाएगी और केवल स्वीकार्य बैंकों से ही मान्य होगी।

नई नीति का प्रभाव और उद्देश्य: मध्य प्रदेश सरकार की यह नई आबकारी नीति शराब की बिक्री और वितरण को नियंत्रित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। पवित्र स्थानों पर शराब की दुकानों की बंदी, पीओएस मशीनों का अनिवार्य उपयोग, और ई-बैंक गारंटी जैसी व्यवस्थाएं राज्य के राजस्व में पारदर्शिता और सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगी। इसके साथ ही, शराब की कीमतों में वृद्धि और कमर्शियल आयोजनों के लिए नई व्यवस्था सरकार के राजस्व को बढ़ाने में मदद करेगी, जबकि सामाजिक सुधार की दिशा में भी काम करेगी।

वेलेंटाइन डे मनाया

मुंबई, एजेंसी। वेलेंटाइन डे के अवसर पर भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने फाइनेंशियली एवर आफ्टर जोड़ों को वित्तीय मामलों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक अनूठा अभियान शुरू किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा (म.प्र.)
Municipal Corporation Chhindwara
शुक्ला ग्राउन्ड के सामने गुरैया रोड
वार्ड नं. 39 छिंदवाड़ा 480001
दूरभाष एवं फैक्स नंबर- 07162-222346
Email : commchhindwara@mpurban.gov.in
क्रं/6694/रा.शा./न.पा.नि./2025 छिंदवाडा, दिनांक 13.02.2025

::-आम सूचना आपत्ति इश्तेहार -::

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता हैं, कि इतवारी बाजार कॉम्पलेक्स स्थित दुकान क्रमांक 338 भूतल, क्षेत्रफल 100 वर्गफीट, जो कि अनारक्षित हेतु आवंटित है, उक्त दुकान में आवेदक श्री राहुल साहू पिता स्व. अशोक साहू द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र दिनाँक 04.02.2025, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया हैं। दुकान पर वर्तमान में श्री अशोक साहू पिता श्री सोहनलाल साहू का नाम दर्ज हैं। आवेदक की माता श्रीमति सुमन साहू पति स्व. अशोक साहू की मृत्यु दिनांक 06/01/2016 एवं पिता श्री अशोक साहू पिता श्री सोहनलाल साहू की मृत्यु दिनांक 12/04/2023 के पश्चात् आवेदक शपथ-पत्र दिनाँक 04.02.2025, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के द्वारा प्राप्त हुई हैं। जिसमें आवेदक अपना नाम दर्ज करवाना चाहता हैं। उक्त दुकान की चतुर्थ सीमा निम्नानुसार है:- उत्तर में- रास्ता, दक्षिण में- दुकान क्र. 337, पूर्व में- दुकान क्र. 339 एवं पश्चिम मैं- रास्ता है।
प्रस्तुत आवेदन-पत्र, शपथ-पत्र, सिजरावंशावली एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर उक्त दुकान का नामान्तरण आवेदक श्री राहुल साहू पिता स्व. अशोक साहू के नाम पर किये जाने में यदि किसी व्यक्ति अथवा कोई हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेजों सहित कार्यालय नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित में अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि बाद किसी भी दावा-आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा

सुश्री अनुसुईया उईके ने राज्यपाल को अपनी किताब भेंट की

छिंदवाड़ा/भोपाल। छत्तीसगढ़ और मणिपुर की पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री अनसुईया उइके ने आज राजभवन भोपाल पहुंचकर मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट की तथा पुष्प गुच्छ देकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने अपने मणिपुर राज्य में कार्यकाल के दौरान किये गये प्रयासों और अनुभव पर आधारित अपनी प्रकाशित पुस्तक मेरे अनुभव, मेरे प्रयास भी उन्हें भेंट की। पूर्व राज्यपाल सुश्री उइके ने मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री पटेल द्वारा प्रदेश में चलाये जा रहे सिकलसेल जागरूकता कार्यक्रम के लिये भी हार्दिक शुभकामनायें दीं। सुश्री उइके ने कहा कि यह कार्यक्रम समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक प्रभावी व अनुपम पहल है। साथ ही आम जन का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

महाशिवरात्रि के बाद छिंदवाड़ा नगर में होगा महा मंडलेश्वर का आगमन

विभिन्न संगठन करेंगे उनका आत्मीय स्वागत अभिनंदन

छिंदवाड़ा। विगत माह प्रयागराज महाकुम्भ में दिगंबर अखाड़े से महामंडलेश्वर बनाए गए, जिले के युवा संत पूज्य श्री श्री 1008 अनंत विभूषित स्वामी अजय रामदास महाराज जी ने शीघ्र छिंदवाड़ा नगर आगमन की सहमति प्रदान कर दी हैद्य आज चौरई में, श्रीराम संकल्प सेवा संगठन भारत के राष्ट्रीय सचिव संजय सक्सेना, वरिष्ठ पत्रकार संजय भारद्वाज, एवं सामाजिक कार्यकर्त्ता गण सुखलाल वर्मा, तरुण तिवारी ने, उनसे भेंट कर छिंदवाड़ा नगर के विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों से उनके आगमन पर स्वागत सम्मान को लेकर हुई चर्चा की जानकारी भी महाराज श्री को दी। महाराज श्री ने महाशिवरात्रि के उपरांत छिंदवाड़ा आगमन की स्वीकृति दे दी है और सभी सनातन धर्म के लिए कार्य कर रहे धार्मिक संगठनों के प्रयासों की सराहना करते हुए, सभी को आशीर्वाद प्रदान किया है। महाराज जी जो कि श्री राम संकल्प सेवा संगठन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक भी हैं, ने सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए एवं छिंदवाड़ा जिले की समस्त जनता के कल्याण हेतु विभिन्न धार्मिक संगठनों के उपक्रमों एवं आयोजनों को और विस्तार देने की बात भी कही।

नगर पालिका द्वारा चिकन मटन दुकानों का निरीक्षण

परासिया। छिंदवाडा में बर्ड फ्लू के पाजीटिव मिलने के बाद परासिया नगर पालिका ने चिकन मटन दुकानों का निरीक्षण किया। व अध्यक्ष ने हालात सुधरने तक चिकन न बेचने एवं माश का सेवन न करने का आग्रह किया वहीं नगर पालिका टीम दुकानों में पहुंची। साफ सफाई रखने के निर्देश दिए और दुकानों को सेनिटाईज किया गया।नगर पालिका परासिया के अध्यक्ष विनोद मालवीय ने कहा कि एवियन इन्फ्लुएंजा बर्ड फ्लू के पाजीटिव सैंपल पाए गए है। छिंदवाडा में कार्रवाई हुई है। दुकानों को बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि परासिया में शासन के निर्देशानुसार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चिकन की दुकानो के संचालकों से आग्रह किया कि आगामी आदेश तक दुकानों को न खोले और चिकन की बिक्री न करे। उन्होंने नागरिकों से कहा कि ये सक्रमण मुर्गे मुर्गियों पक्षियों से इंसान मे फैल सकता है। इसलिए नागरिकों से भी उन्होंने कहा कि हालात सामान्य होते तक न तो मुर्गे मुर्गियां खरीदे न बेचे न खाए।

शहीद को श्रृद्धांजलि अर्पित की

अमरवाड़ा। महाविद्यालय में पुलवामा हमले की छठवीं बरसीं पर शहीद हुए वीरो को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई / शासकीय स्नातक महाविद्यालय में पुलवामा हमले की छठवीं बरसीं में शहीद हुए वीरों को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि कार्यक्रम का प्रारंभ मोमबत्ती व दीप प्रज्वलित कर व शहीदों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनिट का मौन धारण कर किया गया। श्रद्धांजलि सभा के पश्चात महाविद्यालय की प्राध्यापिका श्रीमती ज्योति सूर्यवंशी ने विद्यार्थियों के अंदर देश प्रेम की भावना जागृत करने उन्हें वीर सैनिको के जीवन शैली से अवगत कराया । महाविद्यालय की प्राध्यापिका श्रीमती खुशबू विश्वकर्मा व? राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सौरभ सोनी ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया गया । श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ आर एन झारिया ने की। श्रद्धांजलि सभा में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व एनसीसी कैडेट्स राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ऋण नहीं चुकाने वाले किसानों को भरना होगा ब्याज

ऋण नहीं चुकाने वाले सदस्यों के विरूद्ध न्यायालय में प्रकरण दर्ज

छिन्दवाड़ा। प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले कृषकों को ड्यू डेट पर चुकौती करने पर ही शून्?य प्रतिशत ब्याज सहायता का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जबकि डिफाल्टर कृषकों को राज्य शासन एवं केन्द्र शासन से प्राप्त होने वाली अतिरिक्त ब्याज अनुदान तथा प्रोत्साहन राशि की पात्रता नहीं होगी। यह राशि 7 प्रतिशत की दर से कृषक को ही ऋण वितरण दिनांक से ड्यू दिनांक तक भुगतान करनी होगी। इसके पश्चात कृषकों को 12 प्रतिशत ब्याज दर से ब्याज सहित ऋण अदा करना होगा। उल्लेखनीय है कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक छिन्दवाड़ा से संबद्ध 24 शाखाओं के अंतर्गत 146 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में 1,11,408 से भी अधिक ऋणी किसान हैं, जो इस समय शाखा व समितियों के माध्यम से प्रदत्त सुविधाओं और शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। इस वर्ष 2024-25 में बैंक ने अपनी शाखाओं से संबद्ध बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से खरीफ सीजन में 729 करोड़ एवं रबी सीजन में 180 करोड़ इस प्रकार कुल 909 करोड़ से भी अधिक का ऋण वितरण कर चुका है। ऐसे में इस वितरित अकालातीत व कालातीत ऋण की वसूली के लिए सहकारी समितियां अपने ऋणी सदस्यों के हितों का ध्यान रखते हुए उन्हें शासन की योजनाओं और बैंक कि शाखाओं व समितियों द्वारा दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दे रहे है। सहकारी समितियों द्वारा कृषकों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन फसल ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में अल्पकालीन फसल ऋण लेने वाले उन कृषकों को शून्य प्रतिशत ब्याज सहायता योजना का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जो समय पर अपना ऋण चुकायेंगे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

हेलमेट की अनिवार्यता का सख्ती से कराएं पालनः कलेक्टर

रेड लाइट जंप करने वालों पर की जाएगी कड़ी चालानी कार्यवाही

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने और बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर पेट्रोल पंप संचालकों पर सख्ती करने पर विशेष जोर दिया गया। सिग्नल पर रेड लाइट जंप करने वालों पर भी कड़ी चालानी कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा के साथ ही नए एजेंडा बिंदुओं पर भी चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्देश दिये गए।

बिना हेलमेट पेट्रोल देने पर संचालकों पर होगी सख्ती

जिले में हेलमेट का उपयोग न करने पर सड़क दुर्घटनाओं में दो पहिया वाहन चालकों की हो रही मृत्यु की घटनाओं में गहन चिंता व्यक्त करते हुए हेलमेट को अनिवार्य किया गया है। पिछली बैठक में सख्त निर्देश देने और पेट्रोल पंप संचालकों को इस संबंध में पत्र जारी कर निर्देशित करने के बाद भी निर्देशों का पालन न पाए जाने पर कलेक्टर श्री सिंह ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी को पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा निर्देशों की अवहेलना करने पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं, अन्यथा की स्थिति में पेट्रोल पंप संचालकों पर भी कार्यवाही की जायेगी। डीएसपी ट्रैफिक ने बताया कि शहर के दो मार्गों सिवनी रोड एवं इमलीखेड़ा-नागपुर रोड पर हेलमेट के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, बीते दिनों में इन मार्गों पर कोई भी एक्सीडेंट दर्ज नहीं किए गए हैं। परासिया रोड पर भी इस अभियान को फिर से शुरू कराया जाएगा।

राष्ट्रीय राजमार्ग में साइन बोर्ड लगाने का कार्य शीघ्र करें पूरा

पिछली बैठक में दिए निर्देशों के अनुसार छिंदवाड़ा-सिवनी राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 347 में मरम्मत एवं रोड मार्किंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। कलेक्टर श्री सिंह ने इस मार्ग में साइन बोर्ड्स लगाने का कार्य भी आगामी 15 दिन में पूरा करने के निर्देश दिए। छिंदवाड़ा-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 547 में सिल्लेवानी घाटी में रंबल स्ट्रिप, रिफ्लेक्टर लगाने का कार्य भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

शहर में व्यवस्थित कराएं यातायात

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि शहर में यातायात सुगम और व्यवस्थित कराएं। जहां कहीं भी कोचिंग सेंटर और प्राइवेट हॉस्पिटल की पार्किंग के कारण सड़कों पर अतिक्रमण और यातायात प्रभावित हो रहा है, नगर निगम की टीम सख्ती से कार्यवाही करे। पी.जी.कॉलेज के प्रवेश द्वार के सामने से होकर गुजरने वाले मार्ग को पूर्णतः बंद कर प्रवेश द्वार के सामने साइन बोर्ड लगवाएं। रेलवे स्टेशन से कुंडीपुरा थाना तक एवं महिला थाने से नया कुंडीपुरा थाना छिंदवाड़ा तक मार्ग में प्रकाश की व्यवस्था आवश्यकता के अनुरूप शीघ्र कराएं। पाटनी चौक पर सिग्नल लगाने की कार्यवाही एक माह के अंदर पूर्ण कराएं। साथ ही भरता देव कट पॉइंट और जिला न्यायालय के सामने गुरैया रोड पर यातायात सिग्नल के निर्माण के लिए सर्वे का कार्य एक सप्ताह में पूरा करवा कर रिपोर्ट सौंपे।

अन्य महत्वपूर्ण निर्देश

बैठक में वेयर हाउस में लगने वाली रैक की संपूर्ण सूचना डीएसपी यातायात और आरटीओ को 2 दिन पूर्व देने, वेयर हाउस के चेकिंग पॉइंट पर आने वाले ट्रकों के संबंध में ट्रांसपोर्टर से चर्चा कर यातायात सुगम बनाने, सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के प्रारंभिक उपचार के लिए ग्रामीण युवाओं को भी शामिल करते हुए प्रशिक्षण दिलाने, ग्राम कुकड़ा किरार में ज्यादा एक्सीडेंट के दृष्टिगत यथाशीघ्र स्पीड ब्रेकर बनवाने आदि के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

बैठक में उपस्थित – जिला सड़क सुरक्षा की बैठक में कलेक्टर श्री सिंह, उप पुलिस अधीक्षक यातायात आर.पी.चौबे, कार्यपालन यंत्री पी. डबल्यू.डी. एवं समिति के सचिव आकाश खरे, जिला आपूर्ति अधिकारी और अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, सड़क संबंधी विभागों, एम.पी. वेयरहाउस, आयुक्त नगर निगम व सीएमएचओ कार्यालय सहित संबंधित अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे और उन्होंने यातायात सुधार के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए।

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती तीन दिवसीय जन्म महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी

18 फरवरी को हिन्दू गर्जना रैली, 19 को डीजे नाइट व महाआरती, 20 को विशाल भंडारा

छिंदवाड़ा। भारत माता के वीर सपूत श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती छिंदवाड़ा में भव्यता और हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। इस अवसर पर शिवाजी महाराज के भक्तों द्वारा बीते कई दिनों से तैयारियां जोरों पर की जा रही हैं। तीन दिवसीय जन्म महोत्सव की विस्तृत जानकारी देते हुए भाई नरेंद्र पटेल ने बताया कि 18 फरवरी शाम 5 बजे दादाजी धुनीवाले मंदिर प्रांगण से भव्य हिन्दू गर्जना रैली निकाली जाएगी, जिसमें हजारों की संख्या में शिवाजी महाराज के भक्त भाग लेंगे। रैली में छत्रपति शिवाजी महाराज व महादेव की झांकियां, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा, ढोल-नगाड़े और अन्य कई आकर्षण देखने को मिलेंगे। 19 फरवरी शाम 7 बजे शिवाजी चौक में डीजे नाइट, रंग-बिरंगी आतिशबाजी और महाआरती का आयोजन किया जाएगा।20 फरवरी सुबह 11 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जो पूरे दिन अनवरत जारी रहेगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को यादगार बनाने के लिए पूरे शहर को शिवाजी महाराज के छायाचित्रों और बैनरों से सजाया जा रहा है। साथ ही, सभी सनातनी श्रद्धालुओं को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। आयोजन समिति के सदस्य नरेंद्र पटेल, प्रशांत साहू, आकाश बैस, राजा कहार और अक्षय ओक्टे ने छत्रपति शिवाजी महाराज के सभी भक्तों से इस भव्य जन्म महोत्सव में सपरिवार भाग लेने की अपील की है।

असुविधाओं के बीच संचालित छात्रावास रात्रि में नहीं रहते अधीक्षक

सुरक्षा एंव भोजन/नाश्ता में भी लापरवाही

छिंदवाड़ा। जनजाति कार्य विभाग की ओर से संचालित छात्रावासों में अधीक्षकों की लापरवाही बढ़ती जा रही है।छात्र-छात्रों/ की सुरक्षा और भोजन/ नाश्ता की कमी देखने को मिल रही है। जिलें के अधिकाशं छात्रावास में छात्र बगैर अधीक्षिका के रात्रि में रहने का मजबूर हो रहे है। जहां रात्रि में छात्रों को कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। उसके बाद भी जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शासन के द्वारा अनुसूचित जाति जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए जनजाति कार्य विभाग आदिवासी समाज के परिवारों के बच्चों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों द्वारा उन योजनाओं का संचालन प्राथमिकता से नहीं किया जा रहा है। पांढुर्ना जिलें के रायवासा गांव में संचालित छात्रावास असुविधाओं के बीच संचालित है। रात्रि के समय यंहा महिला अधीक्षक पांढुर्ना आपने घर चले जाते है। और चपरासी के भरोसे छात्रावास रहता है, चपरासी भी कभी कभी रात्रि में नही रहता है, जबकि यंहा पर कक्षा 6 से 8कक्षा के बच्चे रहते है पांढुर्ना विकासखंड में आने वाला ग्राम रायवासा में संचालित शासकीयआदिवासी जूनियर बालक छात्रावास भगवान भरोसे चल रहा है। वहां पदस्थ अधीक्षक की मनमानी चरम पर है। रायवासा और पांढुर्ना की दूरी बीस किमी है सूत्रों के अनुसार यंहा पदस्थ अधीक्षक कभी कभार ही आती जाती है।और दो चार धंटे रुक कर चली जाती है..जबकि शासन के ऐसे नियम है कि जहां पर बालक या बालिका छात्रावास स्थापित है, वहां पर शिक्षक का रहना जरूरी होता है। जिससे दिन और रात्रि में छात्रों की समस्याओं का समाधान हो सके। लेकिन यहां के अधीक्षक सप्ताह में एक दो दिन ही आते है।

कन्या छात्रावास पाठई में भी नहीं रहती रात्रि में अधीक्षिका

जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित कन्या छात्रावास पाठई की स्थिति काफी बदहाल है, यहां पर अध्यनरत छात्राओं को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिलने के कारण छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है, क्योंकि यंहा पर छात्रावास अधीक्षिका कभी कभार ही छात्रावास में आती जाती है और कभी भी रात्रि में यंहा निवास नहीं करती है यंहा महिला चपरासी के भरोसे छात्राएं रहती है, जिससे छात्रों के मन में हर समय डर बना रहता है, लेकिन शिकायत होने के बाद भी ऐसे अधीक्षक/अधीक्षिका पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है,

रजिस्ट्रार ऑफिस में खुलेआम भ्रष्टाचार का बोलबाला

सब रजिस्ट्रार ऑफिस परासिया में बिना लेन-देन के नहीं होता काम

छिंदवाड़ा/परासिया। सब रजिस्ट्रार ऑफिस में खुलेआम भ्रष्टाचार का बोलबाला है। सब रजिस्ट्रार द्वारा खुलेआम रजिस्ट्री कराने की रिश्वत मांगता है । बताया जाता कि यहां हर चीज की रिश्वत फिक्स है। अगर आपकी रजिस्ट्री में संपत्ति का मूल्य 4 लाख रुपए तक है तो आपको रिश्वत के 700 रुपए सब रजिस्ट्रार को देने पड़ेंगे। अगर संपत्ति की कीमत 5 लाख से 10 लाख तक है तो 1200 रुपए रिश्वत देना पड़ेगी। उससे ऊपर है तो 2000 हजार । इसी तरह अगर आप दानपत्र कराते हैं तो आपको 2000 रिश्वत देनी पड़ेगी। वसीयत कराते हैं तो 2 हजार रुपए एकड के हिसाब से रिश्वत देनी पड़ेगी। तब कहीं जाकर दस्तावेजों का पंजीयन होगा अन्यथा नहीं होगा। लोगों को परेशान किया जा रहा है। इस संबंध में जब सब रजिस्ट्रार से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि यह बात गलत है। सभी शिकायतें बेबुनियाद हैं। आप को लगता है तो आप मेरी शिकायत जिला वरिष्ठ पंजीयक अधिकारी से कर सकते है, मेरा कुछ नही होगा और पल्ला झाड़ते हुए कहा कि लोग कुछ भी बोलते है । लेकिन सूत्रों का कहना है कि उप पंजीयक कार्यालय परासिया में बिना लेनदेन को कुछ नहीं होता है,

शनिवार को भी खुले रहेंगे जिला मुख्यालय के पंजीयन कार्यालय

छिन्दवाड़ा। माह फरवरी एवं मार्च, शासन के राजस्व की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश के जनसामान्य को दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में अधिक सुविधा देने एवं शासन के राजस्व को दृष्टिगत रखते हुये माह फरवरी 2025 में शनिवार अवकाश दिवस 15 व 22 फरवरी 2025 को जिला मुख्यालय पर स्थित सभी उप पंजीयक एवं सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक व जिला पंजीयक कार्यालय शासकीय कार्य के लिये खुले रहेंगे। म.प्र. महानिरीक्षक पंजीयन द्वारा सार्वजनिक अवकाश दिवसों में परिक्षेत्रीय उप महानिरीक्षक पंजीयन अपने परिक्षेत्र के अंतर्गत पंजीयन कार्यालय खोले जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

कानून व्यवस्था चौपट, पुलिस का खौफ खत्मः कपाले

ग्वालियर में अपहरण की घटना ने खोल दी कानून व्यवस्था की पोल

छिन्दवाड़ा। कानून व्यवस्था चौपट, अपराधी बेखौफ और पुलिस सुस्त है। इसीलिये लगातार छोटी-बड़ी वारदातें घटित हो रही जिसके लिए प्रदेश की भाजपा सरकार का पूरा सिस्टम जिम्मेदार है। ग्वालियर में मासूम बेटे के अपहरण की वारदात ने पुलिस की कलई खोल दी। उक्त उदगार आज कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से व्यक्त किए।कांग्रेस सेवादल जिलाध्यक्ष सुरेश कपाले ने प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा कि जिले के साथ ही प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है। पुलिस का डण्डा केवल गरीब तबके पर चल रहा। अपराधी बेलगाम कानून व्यवस्था को रौंद रहे, लेकिन पुलिस कुछ नहीं कर पा रही। पुलिस व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए श्री कपाले ने कहा कि भाजपा सरकार में पुलिस व प्रशासन ने समाज को गरीब व अमीर के बीच में बांट दिया है। कार्रवाई निष्पक्ष होने की बजाए प्रभावी लोगों के प्रभाव से प्रभावित हो रही। जिसका सीधा खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा, क्योंकि अपराध करने वाला प्रभावी है तो निश्चित ही कार्रवाई नहीं होगी और अगर होती है तो शिथिलता बरती जा रही। भाजपा सरकार में पुलिस केवल नम्बर बढ़ाने वाले कार्रवाई कर रही जो समाज में तेजी से फैल रहे अपराध को बढ़ावा देने वाला साबित हो रही है।श्री कपाले ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के अंत में कहा कि ग्वालियर में मां की आंखों में मिर्ची झोंककर बच्चे का अपहरण की घटना बेहद निंदनीय है। भाजपा की सरकार में अंधेर नगरी चौपट राजा वाली कहावत पूरी तरह से सटीक बैठ रही। अपराध मुक्त प्रदेश व सुशासन की बात भाजपा केवल भाषणों में करती है। हकीकत इससे कोसों दूर है, क्योंकि विगत 20 वर्षों की भाजपा सरकार में अपराध ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। जनता

पुलिस जवानों ने चांदमारी के दौरान निशाना साधा, अश्रु गैस चलाने का प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा। जिला पुलिस बल, छिंदवाड़ा द्वारा चांदमारी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस जवानों को वेपन चलाने और अश्रु गैस संचालन की सिखलाई दी गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अजय पांडे की उपस्थिति में जवानों ने निशाना साधने का अभ्यास किया। इसके अलावा, अश्रु गैस गन और वज्र वाहन के माध्यम से अश्रु गैस चलाने का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिससे पुलिस बल को भीड़ नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीतियों में दक्ष बनाया जा सके।कार्यक्रम के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह, सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इसके साथ ही, सीएसपी अजय राणा, डीएसपी राजेश बंजारे, एसडीओपी सौरभ तिवारी, एसडीओपी सोनम पाटिल, रक्षित निरीक्षक आशीष तिवारी, सूबेदार लोहित शिंदे एवं जिले के समस्त थाना प्रभारी भी इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में शामिल हुए। यह चांदमारी अभ्यास कुल 6 दिनों तक चला, जिसमें जिले के लगभग 750 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अजय पांडे ने कहा, इस प्रशिक्षण से पुलिस जवानों की फायरिंग और भीड़ नियंत्रण की क्षमता में वृद्धि होगी, जिससे वे कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रख सकेंगे। यह पहल सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाएगी। अंत में, पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस जवानों को उनके समर्पण और अनुशासन के लिए सराहा और भविष्य में इसी तरह के नियमित चांदमारी एवं अश्रु गैस प्रशिक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया।

जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन 19 को

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय छिन्दवाड़ा एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पांढुर्णा, म.प्र.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत छिंदवाड़ा एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पांढुर्णा के द्वारा संयुक्त रूप से युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेन्टिसशिप मेले का आयोजन शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था पांढुर्णा, वरूड रोड जिला पांढुर्णा में 19 फरवरी 2025 बुधवार को प्रातः 11 से शाम 4 बजे तक किया गया है । रोजगार मेले में 15 कंपनियां उपस्थित रहेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी अपने रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन, समग्र आई.डी. (अनिवार्य) एवं संपूर्ण डॉक्यूमेंट/रिज्यूम के साथ निर्धारित तिथि व समय पर संस्था में उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ ले सकते हैं। जिला रोजगार अधिकारी छिंदवाडा ने बताया कि रोजगार मेले में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक सौंसर/पांढुर्णा द्वारा (टीसीओ) ट्रेनी क्रेडिट ऑफिसर पद के लिये योग्यता 12वीं पास के लिये वेतनमान 14000 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 28 वर्ष, सतीजा मोटर्स प्रायवेट लिमिटेड छिंदवाड़ा द्वारा ब्रांच मैनेजर/सेल्स एक्जीकेटिव पद के लिये योग्यता 12वीं/स्नातक व आईटीआई पास के लिये वेतनमान 9500 रूपये तथा अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष होनी चाहिये।

शहर में अशांति फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर कोतवाली पुलिस का एक्शन

छिंदवाड़ा। अनावेदक 1.अंकित उर्फ़ बूटा पिता संजय सिंह चौहान उम्र 25 साल निवासी गली न 05 गुलाबरा छिंदवाड़ा जो की थाना कोतवाली का गुंडा बदमाश हैं जिसके विरुद्ध मारपीट, हत्या, के कुल 15अपराध दर्ज हैं, अनावेदक.. 2.भूपेंद्र उर्फ़ भानु पिता सुनील चौहान उम्र 25 साल निवासी सनराइज स्कूल के पास लालबाग का थाना क्षेत्र का गुंडा बदमाश हैं जिसके विरुद्ध मारपीट, अदीबाजी के 10 अपराध दर्ज है। 3.विवेक विश्वकर्मा नि लालबाग 08 अपराध दर्ज है जो की शहर मे लगातार अशांति फैला रहे थे जिनको अलग अलग स्थान से पकड़कर धारा 170/126क्1135(3) bnss मे गिरफ्तार किया जाकर प्रतिबंधत्मक कारवाही की जाकर न्यायालय पेश किया गया है।

गर्भवती महिलाओं की उचित निगरानी और नियमित जाँच में लापरवाही बरतने पर पर्यवेक्षक को निलंबित करने के आदेश

कलेक्टर ने ली स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के राष्ट्रीय कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन.के.शास्त्री, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ.मोनिका बिसेन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एएनसी रजिस्ट्रेशन पर विशेष जोरः बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने गर्भवती महिलाओं के एएनसी रजिस्ट्रेशन और एनीमिया की पहचान पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन ब्लॉक का एएनसी रजिस्ट्रेशन 80त्न से कम है, उन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी करें। सीडीपीओ चौरई को एएनसी रजिस्ट्रेशन कम होने पर निलंबित करने के निर्देश दिए । उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि गर्भवती महिलाओं, विशेषकर उच्च जोखिम श्रेणी वाली महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो आशा कार्यकर्ता एएनसी पंजीकरण में लापरवाही कर रहे हैं, उन पर सख्त कार्यवाही की जाए। उच्च जोखिम वाली महिलाओं के नियमित फॉलो-अप और समीक्षा के भी निर्देश दिए। सीएमएचओ और सीडीपीओ को निगरानी रखने और कार्य सही तरीके से हो रहा है, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की उचित निगरानी और नियमित जाँच में लापरवाही बरतने पर छिंदवाड़ा शहरी पर्यवेक्षक को निलंबित करने के निर्देश दिए । साथ ही छिंदवाड़ा शहरी सीडीपीओ को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए ।कलेक्टर श्री सिंह ने उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर और भी कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अब से ऐसी महिलाओं के घरों पर हर हफ्ते स्वास्थ्य कार्यकर्ता का दौरा अनिवार्य होगा। इस दौरान उनका वजन मापा जाएगा और उससे संबंधित रिकॉर्ड को विधिवत रखा जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य कार्यकर्ता को महिलाओं के साथ वीडियो कॉल कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेनी होगी। वीडियो कॉल के स्क्रीनशॉट को रिकॉर्ड के रूप में सुरक्षित रखना होगा। इन सभी निर्देशों का पालन सभी सीडीपीओ द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा।

देश में 71 करोड़ तथा जिले में 9 लाख माता-पिता पूजे गए

छिंदवाड़ा। परम् पूज्य संत श्री आशारामजी बापू की पावन प्रेरणा से विश्व के 167 देशों में मनाया जाने वाला मातृ - पितृ पूजन दिवस की धूम जिले सहित पूरे देश में रही । यह कार्यक्रम जिले के 1462 ग्रामों, हजारों स्कूलों, तथा देश की 69 लाख शैक्षणिक संस्थानों में सम्पन्न हुआ। आयोजक श्री योग वेदांत सेवा समिति ने गत 2 माह पूर्व ही देश में कार्यरत 2500 समितियाँ और 551 आश्रमों की जिम्मेदारी सुनिश्चित कर दी थी ।

बच्चों में , विद्यार्थियों में , युवाओं में अपने अपने माता-पिता के प्रति पूज्य भाव प्रकट हो इस निमित्त प्रतिवर्ष यह आयोजन करवाये जातें हैं। सन 2006 में इसकी शुरुआत छिंदवाड़ा गुरुकुल से हुई थी। आज विश्व के 167 देशों का पर्व बन गया । इस सफल पहल के कारण अमेरिका जैसे सुपर पावर देश के कैलिफोर्निया विधानसभा ने सन 2020 में पूज्य बापूजी को सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया । आज गुरुकुल में अध्ययनरत 24 राज्य एवं विदेशों के विद्यार्थियों ने अपने-अपने माता पिता का वैदिक रूप से भगवान श्री गेणश जी जैसी पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में सभी धर्मों के और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने शिरकत की । मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम महापौर विक्रम आहाके, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष किरण चौधरी, उपकुलपति शंकरशाह विश्वविधालय इंद्र प्रसाद त्रिपाठी, सिख समाज के कुलदीप सिंह अरोरा, मुस्लिम समाज के रिजवान कुरैशी, गायत्री परिवार के राजेश साहू, अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रो. अमर सिंह, राष्ट्रीय बजरंग दल के नितेश साहू, जिला भाजपा के महामंत्री परमजीत सिंह, मधुकर राव पोपली, राष्ट्रपति पुरुष्कार प्राप्त विनोद तिवारी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम की जमकर सराहना की । जिले के सांसद विवेक साहू ने आयोजकों को शुभकामनाएं दी । समिति से प्राप्त जानकारी से ज्ञात हुआ कि गत 2 माह से जारी इन आयोजनों में देश में लगभग 71 करोड़ तथा जिले में 9 लाख माता पिता पूजे गए ।

शिवराज सिंह चौहान के बेटे कुणाल की शादी में थिरकी बारात उपराष्ट्रपति से योगी आदित्यनाथ तक पहुंचे विशेष मेहमान

भोपाल। मध्यप्रदेश में शुक्रवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल सिंह चौहान की शादी का समारोह हुआ। इस शादी में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता और मेहमान शिरकत करने पहुंचे।

बारात में थिरके शिवराज-साधना- शादी समारोह के दौरान कुणाल सिंह की बारात भी धूमधाम से निकाली गई। बारात में शिवराज सिंह चौहान, उनकी पत्नी साधना सिंह और बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह ने नाच कर मनाया। केंद्रीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी बारात में नजर आए। बारात का आयोजन भोपाल के नीलबड़ इलाके में वाना ग्रीन होटल में किया गया।

हिंदू-जैन परंपरा में शादी – कुणाल सिंह चौहान की शादी भोपाल के प्रसिद्ध डॉक्टर इंद्रमल जैन की पोती और संदीप जैन की बेटी रिद्धि से हुई है। शादी सनातन धर्म और जैन परंपराओं के अनुसार संपन्न हुई। शादी के बाद एक विशाल रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों मेहमान शामिल हुए।

सीएम मोहन यादव ने किया स्वागत- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने

रिसेप्शन का विशाल आयोजन

कार्तिकेय की शादी के बाद 12 मार्च को भोपाल के जंबूरी मैदान और 18 मार्च को दिल्ली के एयरफोर्स ग्राउंड में विशाल रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा। इस रिसेप्शन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे, अखिलेश यादव, मायावती सहित देश भर के सभी सांसद, केंद्रीय मंत्री और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। इस तरह, शिवराज सिंह चौहान के परिवार के इस खुशी के मौके पर राजनीतिक और सामाजिक दुनिया के कई बड़े नाम एकजुट हुए हैं। यह शादी न केवल एक पारिवारिक खुशी का प्रतीक है, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने का भी एक मौका है।

कार्तिकेय की शादी की तैयारी

शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह की शादी 6 मार्च को राजस्थान के जोधपुर में रेडिसन होटल में होनी है। कार्तिकेय की शादी फुटवियर कंपनी लिबर्टी शूज के डायरेक्टर अनुपम बंसल की बेटी अमानत से हो रही है। यह शादी केवल वर-वधु पक्ष के चुनिंदा लोगों और रिश्तेदारों की उपस्थिति में होगी।

बेटे की बारात में नाचे शिवराज सिंह

इससे पहले बेटे कुणाल सिंह की बारात निकाली, जिसमें पिता शिवराज सिंह चौहान और मां साधना सिंह ने जमकर डांस किया। साथ ही बड़े भाई कार्तिकेय भी झूमे। इस दौरान परिवार के सदस्य और मेहमान भी जमकर नाचे। बारात में शामिल हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी नाचते नजर आए। पूर्व मंत्री रंजना बघेल ने भी डांस किया।

सीबीएसई 10वीं-12वीं बोर्ड की परीक्षाएं आज से शुरू

अंग्रेजी का पर्चा देख छात्र बोले; यह बहुत आसान हमें मुश्किल की थी उम्मीद

भोपाल। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शनिवार, 15 फरवरी से शुरू हो रही हैं। मध्यप्रदेश में यह परीक्षा 493 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जबकि राजधानी भोपाल में 36 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें भोपाल के 105 स्कूलों के विद्यार्थी परीक्षा देंगे। प्रदेशभर में 10वीं के 1.17 लाख और 12वीं के करीब 78 हजार विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

पहला पेपर इंग्लिश का, परीक्षा सुबह 10ः30 से दोपहर 1ः30 बजे तक- 10वीं बोर्ड की परीक्षा का पहला पेपर इंग्लिश का होगा। परीक्षा का समय सुबह 10ः30 बजे से दोपहर 1ः30 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर सुबह 10 बजे से पहले रिपोर्ट करना अनिवार्य है। सुबह 10 बजे के बाद किसी भी छात्र को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

सख्त नियमों के साथ होगी परीक्षा- सीबीएसई ने नकल व अन्य अनुचित साधनों पर रोक लगाने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सख्त प्रबंध किए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और उड़नदस्ते की टीम लगातार निरीक्षण करेगी। परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक अधिकारी भी निगरानी रखेंगे। विद्यार्थियों और अभिभावकों को परीक्षा के नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

सर्व ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी घोषित

नर्मदापुरम। माखननगर रमन शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज माखन नगर आदेश शर्मा नगर अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज माखन नगर कुलदीप परसाईब्लॉक अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण युवा मोर्चा माखन नगर कान्हा गुरु नगर अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज युवा मोर्चा माखन नगर बनाया गया है इसके अलावा ब्राह्मण समाज का संयोजक कृष्ण कुमार उपाध्याय एवंकुलदीप मिश्रा को जिला महामंत्री बनाया गया है आप सभी कोसमाज के हित में उत्कृष्ट कार्य करने के लिएजिला पंचायत वार्ड क्रमांक 9 नर्मदा पुरम के जिला सदस्य हाकम सिंह गुर्जर कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी पुष्पराज सिंह पटेल विजय टपरिया मीणा राकेश दुबे देवेंद्र यादव मुकेश यादव सिया लाल यादव बृजेश यादव ने ब्राह्मण समाज के समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी है।

प्रदेश में 18 फरवरी से बदलेगा मौसम

बढ़ेगी सर्दी, दिन-रात के तापमान में होगी गिरावट

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम ने फिर करवट बदली है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में दिन के तापमान में 1 से 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग का कहना है कि 17 फरवरी से नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालय की तरफ एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से 18 फरवरी से प्रदेश में दिन-रात के तापमान में फिर से गिरावट होने का अनुमान है, जो अगले तीन से चार दिन तक रह सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव था। इस वजह से प्रदेश में ठंड का असर देखने को मिला, लेकिन यह सिस्टम अब लौट गया है। इसलिए शुक्रवार से तापमान में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस वजह से धार, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, रतलाम, उज्जैन, दमोह, खजुराहो, मंडला में पारा 30 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम में 2.2 डिग्री की बढ़ोतरी के बाद तापमान 32.2 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 28.4 डिग्री, इंदौर में 29.1 डिग्री, ग्वालियर में 29.5 डिग्री, उज्जैन में 30.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 29.3 डिग्री दर्ज किया गया।

वहीं, अब 17 फरवरी से एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालय की तरफ एक्टिव होने की संभावना है। इस वजह से 18 फरवरी से प्रदेश में दिन-रात के तापमान में फिर से गिरावट होने का अनुमान है, जो अगले तीन से चार दिन तक रह सकता है। आज शनिवार को दिन का तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। रात और सुबह के समय ठंडक बनी रहेगी। 16 फरवरी को भी दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

हड़ताल के कारण लगातार दो दिन तक बंद रह सकते हैं बैंक

भोपाल निप्र। मध्यप्रदेश में बैंक उपभोक्ताओं के लिए काम की खबर है। हड़ताल के कारण लगातार दो दिन तक बैंक बंद रह सकते हैं। बैंक यूनियन ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल अगले माह यानि मार्च में प्रस्तावित है। शुक्रवार को भोपाल में बैंक कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रभावी प्रदर्शन किया। सैकड़ों बैंक कर्मचारियों, अधिकारियों ने जोरदार नारेबाजी की।

बैंकों का बिजनेस और लाभ लगातार बढ़ रहा है पर कर्मचारियों, अधिकारियों को इस अनुपात में फायदा नहीं मिल रहा। बैंकों में लाखों पद रिक्त हैं। भर्ती न होने से बैंक कर्मियों पर काम का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। ऐसी अनेक समस्याओं, मांगों के निराकरण के लिए बैंक कर्मचारी सड़क पर उतर आए। भोपाल के यूको बैंक जोनल ऑफिस के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। यह भी पढ़ें- सुंदरता पर फिदा हुआ बेटा कुणाल, जानिए बहू रिद्धि की किस खासियत से प्रभावित हैं शिवराजसिंह चौहान बैंक कर्मचारियों ने मुख्यत- बैंकों में खाली पदों पर भर्ती, पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह के क्रियान्वयन की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। बैंक कर्मियों ने बताया कि मांगें पूरी न होने पर 24 और 25 मार्च को राष्ट्रव्यापी हड़ताल की जाएगी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर इसमें देशभर की सभी बैंकों के 10 लाख से अधिक बैंक कर्मचारी, अधिकारी शामिल होंगे। राष्ट्रव्यापी हड़ताल में एमपी के भी 50 हजार से ज्यादा कर्मचारी, अधिकारी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल। आज हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान की पुण्यतिथि हैं। आज के दिन 15 फरवरी 1948 को सुभद्रा कुमारी चौहान का निधन हो गया था। सुभद्रा कुमारी चौहान की पुण्यतिथि पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने संदेश में लिखा बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी...अपनी ओजस्वी कविताओं के माध्यम से युवाओं के हृदय में स्वतंत्रता की ज्वाला प्रज्ज्वलित कर देने वाली स्वतंत्रता सेनानी, महान कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

तीन राज्यों को सीधा जोड़ेगी 8 लेन चौड़ी हाईस्पीड सड़क

भोपाल। मध्यप्रदेश में कई बड़े कॉरिडोर बनाए जाने की योजना है। इनके माध्यम से देश के प्रमुख शहरों और राज्यों को सीधा जोड़ा जाएगा। प्रदेश के जबलपुर से ये कॉरिडोर बनाए जाएंगे। एमपी के लोक निर्माण मंत्री पीडब्लूडी राकेश सिंह ने इस संबंध में अपने एक्स हेंडल पर जानकारी दी। कॉरिडोर निर्माण के संबंध में उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की फोटो भी ट्वीट की। खास बात यह है कि जबलपुर से हाईस्पीड कॉरिडोर प्रस्तावित किए गए हैं जोकि 8 लेन तक चौड़े होंगे। ये यूपी के यमुना एक्सप्रेस वे और महाराष्ट्र के मुंबई एक्सप्रेस वे की तरह के होंगे। एमपी में अभी तक एक भी हाईस्पीड कॉरिडोर नहीं हैं। मध्यप्रदेश में एक दो नहीं बल्कि 4 हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की तैयारी की जा रही है। ये कॉरिडोर जबलपुर को केंद्र बनाकर बनाने का प्रस्ताव है। प्रदेश के पीडब्लूडी मिनिस्टर राकेश सिंह ने अपने एक्स हेंडल पर यह जानकारी दी।

सहारा जमीन फर्जीवाड़े में शिकायतकर्ता ने ईओडब्ल्यू में दर्ज करवाएं बयान, आरोप-सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का नहीं हुआ पालन

भोपाल। सहारा समूह की भोपाल और प्रदेश के अन्य जिलों में स्थित जमीन औने-पौने दामों में बेचने के मामले के मुख्य शिकायतकर्ता आशुतोष दीक्षित के बयान आज आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) में दर्ज किए गए। ईओडब्ल्यू ने शिकायतकर्ता को नोटिस देकर बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था। सहारा जमीन घोटाले में शिकायतकर्ता आशुतोष मनु दीक्षित ने अपने बयान दर्ज करने के बाद आरोप लगाते हुए कहा कि 1000 करोड रुपए की जमीन को मात्र 98 करोड रुपए में बेच दिया गया। जमीन बेचने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का भी पालन नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि मेरे साथ संजय पाठक और उनकी कंपनी के पदाधिकारी को भी नोटिस भेजा गया था। लेकिन नोटिस मिलने के बाद भी वह लोग ईओडब्ल्यू नहीं पहुंचे। आशुतोष ने कहा कि भोपाल जबलपुर और कटनी में सहारा की जमीन को मिट्टी के मोल बेच दिया गया हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार जमीन बेचने के बाद जो पैसा आता उसको शहर के जॉइंट अकाउंट में जमा किया जाना था उसे शहर की दूसरी कंपनियों में जमा किया गया। सहारा की जमीन को बेचने के बाद भी सहारा में निवेश करने वालों को पैसा नहीं मिला।

दरअसल इस मामले की एक शिकायत कटनी निवासी आशुतोष दीक्षित ने ईओडब्ल्यू में की थी। शिकायत में कहा गया था कि एक विधायक के परिवार से जुड़ी कंपनी शिनाप रियल एस्टेट ने भोपाल में 112 एकड़ जमीन महज 48 करोड़ में खरीद ली, जबकि इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में ही 125 करोड़ की दर तय की थी। इस जमीन का बाजार भाव लगभग 500 करोड़ रुपए है।

श्री उमिया माताजी संस्थान ऊंझा गुजरात से उमिया माताजी की ध्वजा लेकर गुजरात से पधारे अतिथियों का भोपाल जिले के ग्राम तूमडा में भव्य स्वागत

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में गांव तूमडा में उमिया माताजी के प्रति अनोखा श्रद्धा भाव देखने को मिला। कोरोना काल के समय में उमिया माताजी की मूर्ति को आन लाइन जयपुर से मंगाकर कोरोना काल में उमिया माताजी मंदिर में उमिया माताजी की प्राण-प्रतिष्ठा की । उमिया माताजी के प्रति इस श्रद्धा भाव का पता जब श्री उमिया माताजी संस्थान ऊंझा को चला तो श्री उमिया माताजी संस्थान ऊंझा गुजरात से अतिथि माताजी की ध्वजा लेकर भोपाल जिले के गांव तूमडा में पहुंचे जहां ग्राम वासियों ने ध्वजा का पूजन कर भव्य शोभायात्रा निकाली । माताजी के जयकारों के साथ ध्वजा शिखर पर चढ़ाई । श्री उमिया माताजी संस्थान ऊंझा गुजरात के प्रचार प्रसार चैयरमेन श्री प्रवीण भाई पटेल ने अपने उद्बोधन में बताया मध्य प्रदेश में जहां जहां उमिया माताजी के मंदिर है वहां शेक्षणीक संस्थान माताजी के आशिर्वाद से बन जाती है। शिक्षा से हि समाज का विकास होगा। संस्थान के सह मंत्री श्री वसंत भाई चौकसे ने बताया उमिया माताजी उमा पार्वती का रुप है जिसका उल्लेख शिव पुराण में बताया गया है। संस्थान ने जो

लक्ष्य लिया है जिसमें 2030 तक उमिया माताजी के 1001मन्दिर बनाना है उसे हम सभी को मिलकर पुरा करना है।भोपाल के डॉ रमेश माधव ने भोपाल जिले में होने वाली सामुहिक विवाह की जानकारी दी । एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से जो भवन भोपाल में बनाया उसकी जानकारी दी। मंचासिन अतिथि में श्री उमिया माताजी संस्थान ऊंझा गुजरात के प्रचार प्रसार चैयरमेन श्री प्रवीण भाई पटेल, श्री उमिया माताजी संस्थान के सह सचिव श्री बसंत भाई चौकसे, श्री उमिया परिवार संगठन के संयोजक श्री हितेश भाई पटेल, धार जिला प्रभारी मनोहर कामदार ,डॉ रमेश जी माधव भोपाल, श्री पुरुषोत्तम जी रापड़िया भोपाल, तूमडा मन्दिर अध्यक्ष बद्री प्रसाद जी मंचासिन रहे। साथ ही कोषाध्यक्ष कैलाश जी पाटीदार सचिव राजेश जी पाटीदार, सहसचिव राजेंद्र जी पाटीदार, सरपंच, गौरव पाटीदार आदि समाज जन एवं माता बहनें कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।